# सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

मधुमेह है डायबिटिक रेटिनोपैथी का मु य कारण पेज: 7

पैपराजी कल्चर पर सैफ अली खान ने रखी राय.... पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 95 | गुरुवार 09 जुलाई 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

## बच्चों का खेल नहीं: बघेल का पंजाब कांग्रेस में बदलाव पर दो टूक, आलाकमान का फैसला अंतिम

**नई दिल्ली एजेंसी:** बुधवार को पंजाब कांग्रेस नेतृत्व में बदलाव की अटकलों को खारिज करते हुए कहा गया कि पार्टी हाईकमान का अमरिंदर सिंह राजा वडिंग को राज्य इकाई का प्रमुख बनाए रखने का फैसला अंतिम है। पत्रकारों से बात करते हुए बघेल ने कहा कि नेतृत्व से जुड़े फैसलों पर बार-बार पुनर्विचार नहीं किया जाता है। उन्होंने कहा कि जब हाईकमान ने कोई फैसला ले लिया है, तो उसे बदला नहीं जाता। क्या यह गुड़िया-गुड्डे का खेल है कि बार-बार फैसला बदला जाएगा? यह बयान ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस ने 1 जुलाई को घोषणा की कि वारिंग पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष बने रहेंगे, जबकि अगले साल की शुरूआत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले पूर्व मुख्यमंत्री और जालंधर के सांसद चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव प्रचार समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

# चीन को पछाड़ कर ग्लोबल एयर पावर रैंकिंग 2026 में आगे निकली भारतीय वायु सेना, अमेरिका पहले नंबर पर

**नई दिल्ली एजेंसी:** विश्व की सैन्य विमानन क्षमता का सबसे व्यापक आकलन मानी जाने वाली आधुनिक सैन्य विमान निर्देशिका यानि आधुनिक सैन्य विमानों की विश्व निर्देशिका की ताजा वैश्विक वायु शक्ति रैंकिंग ने दुनिया के सामरिक समीकरणों पर नई बहस छेड़ दी है। हम आपको बता दें कि ग्लोबल एयर पावर रैंकिंग 2026 में शीर्ष 10 देश की सूची में भारतीय वायुसेना को छठा स्थान मिला है, जबकि चीन की वायुसेना सातवें स्थान पर रही है। खास बात यह है कि यह रैंकिंग केवल विमानों की संख्या के आधार पर नहीं, बल्कि तकनीकी आधुनिकीकरण, युद्धक क्षमता, रसद व्यवस्था, प्रहार और रक्षा क्षमता, प्रशिक्षण तथा समग्र परिचालन दक्षता जैसे अनेक मानकों के आधार पर तैयार की गई है। यही कारण है कि

कम संख्या वाला बेड़ा भी अधिक सक्षम होने पर ऊंचा स्थान प्राप्त कर सकता है। हम आपको बता दें कि आधुनिक सैन्य विमान निर्देशिका इस समय 103 देशों की 129 सैन्य वायु शाखाओं का अध्ययन कर रही है। इसके दायरे में कुल 48 हजार 82 विमान शामिल हैं। संस्था प्रत्येक वायुसेना की वास्तविक युद्धक क्षमता का आकलन कर उसे एक विशेष मूल्यांकन अंक प्रदान करती है। सर्वोच्च मूल्यांकन अंक 242.9 अमेरिका की वायुसेना के पास है, जिससे उसकी वैश्विक बढ़त स्पष्ट होती है। रैंकिंग में पहला स्थान अमेरिका की वायुसेना को मिला है। दूसरे स्थान पर अमेरिका की नौसैनिक वायु शाखा, तीसरे पर रूस की वायुसेना, चौथे पर अमेरिका की थल सेना की वायु शाखा और पांचवें स्थान पर अमेरिका की समुद्री सेना की वायु शाखा है। इसके बाद छठे स्थान पर भारतीय वायुसेना, सातवें पर चीन, आठवें पर जापान, नौवें पर इजराइल और दसवें स्थान पर फ्रांस की वायुसेना है। यह सूची बताती है कि आज के दौर में हवाई शक्ति

### इसके दायरे में कुल 48 हजार 82 विमान शामिल हैं.......

*हम आपको बता दें कि आधुनिक सैन्य विमान निर्देशिका इस समय 103 देशों की 129 सैन्य वायु शाखाओं का अध्ययन कर रही है। इसके दायरे में कुल 48 हजार 82 विमान शामिल हैं। संस्था प्रत्येक वायुसेना की*

केवल विमानों की संख्या नहीं, बल्कि उनकी गुणवत्ता और संचालन क्षमता का भी दूसरा नाम बन चुकी है। इन टॉप टेन वायुसेनाओं की शक्तियों को विस्तार से देखें तो सबसे पहले बात करते हैं अमेरिकी वायुसेना की जिसे सूची में पहला स्थान मिला है। पहला स्थानः अमेरिका की वायुसेना अमेरिका की वायुसेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली वायु शक्ति बनी हुई है। अत्याधुनिक युद्धक विमान, लंबी दूरी तक मार करने वाले बमवर्षक, विशाल परिवहन बेड़ा, वैश्विक सैन्य अड्डों का जाल और अंतरिक्ष आधारित निगरानी इसकी सबसे बड़ी ताकत है। इसकी चुनौती यह है कि इतनी विशाल व्यवस्था को लगातार आधुनिक बनाए रखना, बढ़ते रक्षा व्यय को संतुलित करना और रूस तथा चीन जैसी उभरती शक्तियों की तकनीकी प्रतिस्पर्धा का सामना करना आसान नहीं है। दूसरा स्थानः अमेरिका की नौसैनिक वायु शाखा समुद्र से आकाश तक प्रभुत्व स्थापित करना इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। विमान वाहक पोतों के सहारे यह दुनिया के किसी भी हिस्से में तेजी से सैन्य शक्ति पहुंचाने में सक्षम है। इसकी चुनौती लंबी समुद्री तैनाती, अत्यधिक रखरखाव लागत और आधुनिक मिसाइल खतरों के अनुरूप अपनी क्षमता को लगातार उन्नत बनाए रखना है। तीसरा स्थानः रूस की वायुसेना रूस की पहचान लंबी दूरी की मारक क्षमता, शक्तिशाली युद्धक विमानों और मजबूत वायु रक्षा तंत्र से होती है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में भी संचालन इसकी विशेषता है। हालांकि लंबे समय से जारी सैन्य दबाव, आर्थिक चुनौतियां और पुराने विमानों के आधुनिकीकरण की आवश्यकता इसके सामने बड़ी चुनौती बनकर उभरी है।

## मनरेगा का बदला नाम, बदला काम? कांग्रेस ने वीबी जी रैम जी एक्ट को बताया 'अधिकारों का हनन'

**नई दिल्ली एजेंसी:** कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बुधवार को 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) एक्ट' की आलोचना करते हुए इसे रोजगार अधिकार की चोरी बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसने मनरेगा की जगह एक ऐसी अत्यधिक केंद्रीकृत योजना ले ली है, जिससे राज्य सरकारों पर भारी वित्तीय बोझ पड़ता है। जम्मू-कश्मीर के पूर्व वित्त मंत्री हसीब द्राबू का एक लेख शेयर करते हुए रमेश ने कहा कि इस नए कानून ने उस योजना की जगह ले ली है, जो ग्रामीण परिवारों को काम का कानूनी अधिकार देती थी। कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार द्वारा शुरू किए गए दो दशक पुराने 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम' (मनरेगा) की

जगह, 1 जुलाई को पूरे देश में वीबी जी रैम जी अधिनियम लागू हो गया। एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि भारत के बेहतरीन अर्थशास्त्रियों में से एक और जम्मू-कश्मीर के पूर्व वित्त मंत्री हसीब द्राबू ने 'वीबी जी रैम जी' की सच्चाई को उजागर करते हुए एक बहुत ही तीखा लेख लिखा है। इस नए कानून को क्रांतिकारी मनरेगा की जगह जबरदस्ती लागू किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि वीबी जी रैम जी असल में 'रोजगार के अधिकार' की चोरी है। यह काम करने के संवैधानिक अधिकार की जगह एक ऐसी बहुत ज्यादा सेंट्रलाइज्ड स्कीम ले आती है, जिससे राज्य सरकारों पर बहुत ज्यादा वित्तीय बोझ पड़ता है। रमेश ने यह भी दावा किया कि नया कानून टेक्नोलॉजी को इसलिए लाता है ताकि लोगों को सुविधा न मिले, बल्कि उन्हें बाहर रखा जा सके। उन्होंने आगे कहा कि यह पूरे साल उस तरह उपलब्ध नहीं है, जैसे मनरेगा हुआ करता था। एक अंग्रेजी अखबार में छपे अपने लेख में डॉबू ने कहा कि मनरेगाझ्र जिसे अब 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' नाम दिया गया है झ्र एक अधिकार-आधारित और मांग-आधारित योजना थी, जो परिवारों को 100 दिनों के अकुशल काम का कानूनी अधिकार देती थी। उन्होंने कहा कि अब इसे एक फॉमूर्ले पर आधारित और केंद्र द्वारा तय किए जाने वाले ट्रांसफर में बदल दिया गया है। जब पिछले बुधवार को वीबी जी रैम जी एक्ट लागू हुआ, तो कांग्रेस ने मांग की कि ग्रामीण रोजगार योजना को रद्द कर दिया जाए और मजबूत मनरेगा को वापस लाया जाए।

## गुंडों को सिर्फ.अंडरवियर में सड़कों पर घुमाओ, केडीएमसी मारपीट पर संजय राउत की सीएम से मांग

**नई दिल्ली एजेंसी:** शिवसेना (यूटीबी) नेता संजय राउत ने कल्याण-डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (केडीएमसी) के एक अस्पताल में महिला डॉक्टरों और नर्सों पर हुए हमले को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने मिंधे गैंग के नाम से जाने जाने वाले दोषियों के लिए कड़ी सजा की मांग की। मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए राउत ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जी, कृपया अपने पास मौजूद गृह मंत्री के पद का सम्मान करें! कोरोना के समय में लोगों की सेवा करने वालीं सफेद कपड़ों में फरिश्तों जैसी महिला डॉक्टर और नर्सों को 'मिंधे गैंग' के गुंडे अस्पताल में घुसकर बेरहमी से पीटते हैं क्या

यही कानून का राज है? उन्होंने मुख्यमंत्री फडणवीस से यह भी कहा कि उन सभी को हथकड़ी पहनाई जाए और उन्हें सिर्फ.अंडरवियर और बनियान में सड़कों पर घुमाया जाए! इस बीच, शिवसेना के कॉर्पोरेटर रमेश म्हात्रे ने केडीएमसी अस्पताल में महिला डॉक्टरों और नर्सों के साथ मारपीट के आरोपों से इनकार किया। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि कैमरा एंगल की वजह से सीसीटीवी फुटेज शायद वैसा दिख रहा हो और जोर देकर कहा कि अस्पताल के दौरे के दौरान उन्होंने किसी भी मेडिकल स्टाफ पर हाथ नहीं उठाया। म्हात्रे ने इस घटना पर अफसोस जताया और बताया कि उन्होंने नर्स के हाथ पर इसलिए थपथपाया क्योंकि वह उनकी शिकायतें नहीं सुन रही थीं और फोन पर बात कर रही थीं। उन्होंने आगे कहा, "मैं हुई मारपीट की घटना पर अफसोस जाहिर करता हूँ। मैं पूरे भरोसे के साथ कहता हूँ कि मैंने महिला डॉक्टर पर हाथ नहीं उठाया। सीसीटीवी फुटेज में जो दिख रहा है, वह कैमरे के एंगल की वजह से वैसा लग सकता है। मैं उनसे अनौपचारिक रूप से ('तू' कहकर) बात करता हूँ क्योंकि वह मेरी बेटी जैसी हैं। मुझे यह भी नहीं पता कि उनकी शादी हुई है या नहीं। उन्होंने कहा कि जब हम बात कर रहे थे, तो वह फोन पर बात करती रहीं और हमारी शिकायत नहीं सुन रही थीं; इसीलिए मैंने उनके हाथ पर थपथपाया। हम बालासाहेब की सीख पर चलते हैं। हमने कभी महिलाओं पर हाथ नहीं उठाया और न ही भविष्य में कभी ऐसा करेंगे। यह घटना अस्पताल की व्यवस्था में कमियों के कारण हुई। हम उन कमियों को दूर करने की कोशिश करेंगे।

## पुणे में मूसलाधार बारिश का कहर: कचरे का पहाड़ गिरने से बिल्डिंग ढही, कई लोग फंसे

**नई दिल्ली एजेंसी:** पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ में बुधवार को हुई भारी बारिश के बाद, पुराने कचरे का पहाड़ जैसा ढेर पास की तीन मंज़िला इमारत पर गिर गया, जिससे वह ढह गई। इस घटना में कम से कम 16 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। एक अधिकारी के अनुसार, यह घटना मोशी में हुई। यहाँ इमारत का इस्तेमाल एक प्राइवेट कंपनी के एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिस के तौर पर किया जा रहा था, जो नगर निकाय की ओर से उस जगह पर कचरे की प्रोसेसिंग का काम कर रही थी। पिंपरी-चिंचवड़ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कमिश्नर विजय सूर्यवंशी ने कहा कि पहली नजर में ऐसा लगता है कि भारी बारिश के कारण कचरे का ढेर ढीला हो गया और इमारत पर गिर गया। उन्होंने बताया कि प्राइवेट कंपनी के करीब 16

कर्मचारियों के इमारत के अंदर होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ), फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की टीमें मौके पर पहुँच गई हैं और बचाव अभियान चल रहा है। पिंपरी-चिंचवड़ के मेयर रवि लांडगे ने कहा कि शहर में भारी बारिश की वजह से पानी का स्तर काफी बढ़ गया है। इसके कारण जमा हुआ कचरा और मलबा एक ऑफिस बिल्डिंग पर गिर गया, जिससे कंक्रीट का एक स्लैब भी ढह गया।

उस समय ऑफिस के सोलह कर्मचारी वहां खाना खा रहे थे; दो लोग बाहर निकलने में कामयाब रहे, और बाकी लोगों को बचाने का काम अभी चल रहा है। नहीं, किसी की मौत नहीं हुई है; सभी सुरक्षित हैं। फायर ब्रिगेड, एनडीआरएफ की टीम, पुलिस और स्वास्थ्य व पर्यावरण विभाग उन्हें बाहर निकालने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

## अमरनाथ यात्रा ड्यूटी में भारी गड़बड़ी! 4 शिक्षक सस्पेंड, प्रशासन सख्त

**नई दिल्ली एजेंसी:** अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि जम्मू-कश्मीर के गांदरबल ज़िले में अधिकारियों ने सालाना अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी में कथित गड़बड़ी के लिए चार शिक्षकों को सस्पेंड कर दिया है। एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि गांदरबल ज़िला प्रशासन ने मनिगाम ट्रांज़िट कैंप में श्री अमरनाथजी यात्रा के तीर्थयात्रियों के लिए ऑन-स्पॉट रजिस्ट्रेशन प्रोसेस से जुड़ी कुछ गड़बड़ियों का संज्ञान लिया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच चल रही है और इसमें शामिल पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। गांदरबल के मुख्य शिक्षा अधिकारी ने मनिगाम ट्रांज़िट कैंप के नोडल अधिकारी से इस बारे में सूचना मिलने के बाद चार शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया। सस्पेंड किए गए टीचरों की पहचान बिलाल अहमद शेख, आबिद मोहि-उद-दीन भट, पीर मुदासिर और गौहर राशिद कुल्लू

के तौर पर की गई है। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि बालटाल बेस कैंप के ऑन-स्पॉट रजिस्ट्रेशन सेंटर पर ऑन-स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा उपलब्ध है, बशर्ते सभी जरूरी दस्तावेज दिखाए और वेरिफाई कराए जाएं और जरूरी योग्यता शर्तें पूरी की जाएं। उन्होंने सभी तीर्थयात्रियों को सलाह दी कि वे सिर्फ.अधिकृत रजिस्ट्रेशन सेंटर से ही रजिस्ट्रेशन कराएं और आधिकारिक प्रक्रिया का पालन करें। प्रवक्ता ने कहा कि तीर्थयात्रियों से यह भी अनुरोध है कि वे ऐसे दलालों, बिचौलियों या अनधिकृत लोगों के झांसे में न आएं जो पैसे या किसी अन्य लाभ के बदले पंजीकरण कराने या कोई अनधिकृत सहायता देने का दावा करते हैं।

## महाराष्ट्र में बारिश: अमित शाह ने सीएम फडणवीस को फोन कर केंद्र की मदद का भरोसा दिलाया

**महाराष्ट्र एजेंसी:** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बात करके राज्य में भारी बारिश से पैदा हुए हालात का जायजा लिया और उन्हें केंद्र की ओर से पूरी मदद का भरोसा दिलाया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को मुंबई और आस-पास के ज़िलों में तेज हवाओं के साथ भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है। भारी बारिश के कारण जगह-जगह पानी भरने से वेस्टर्न रेलवे नेटवर्क पर रेल सेवाएँ पहले ही बाधित हो गई हैं। क्टऊने बताया है कि मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है, और पालघर के कुछ इलाकों में बहुत ज्यादा बारिश हो सकती है। कोंकण क्षेत्र के कुछ हिस्सों में हवा की रफ़्तार 60-70 किमी/घंटा रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया है कि 9 जुलाई से बारिश धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है। रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग

ज़िलों में कहीं-कहीं भारी बारिश का भी अनुमान है। आईएमडी ने चेतावनी दी है कि भारी बारिश की वजह से निचले इलाकों में स्थानीय स्तर पर बाढ़, अचानक बाढ़ (चमकता बाढ़), सड़क, रेल, हवाई और फेरी सेवाओं में रुकावट, कोंकण तट पर समुद्र में हलचल, संवेदनशील जगहों पर भूस्खलन और फसलों व कमजोर ढांचों को नुकसान हो सकता है। इसने लोगों को सलाह दी है कि वे पानी भरे इलाकों में जाने से बचें, यात्रा करने से पहले ट्रैफिक की स्थिति देख लें और आंधी-तूफान के दौरान सावधानी बरतें। विभाग ने आगे कहा कि शुरूआती भारी बारिश के दौर के बाद, 12 जुलाई से ज्यादातर ज़िलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। मंगलवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने किसानों से मौसम के हालात को ध्यान में रखकर खेती-बाड़ी की योजना बनाने को कहा, क्योंकि 8 जुलाई से राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश में काफी कमी आने की संभावना है।

## राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला में हर दिन नए खुलासे! फजी रसीदों से करोड़ों की वसूली, पुलिस को मिले बड़े सुराग

**अयोध्या एजेंसी:** अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी की जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ रही है, नए खुलासे हो रहे हैं। जांचकताओं को मंदिर से जुड़ा एक कथित फजी रसीद रैकेट मिला है; आरोप है कि आरोपी लोग भक्तों से पैसे ऐंठने के लिए दान की नकली रसीदें जारी करते थे। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों की निशानदेही पर 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' के नाम वाली एक नकली रसीद बुक बरामद की गई है। पूछताछ के दौरान, संदिग्धों ने कथित तौर पर माना कि उन्होंने न केवल मंदिर के चढ़ावे में हेराफेरी की, बल्कि आधिकारिक योगदान के नाम पर भक्तों से दान इकट्ठा करने के लिए नकली रसीदों का भी इस्तेमाल किया। धोखाधड़ी के दायरे का पता लगाने के लिए जांच चल रही है पुलिस सूत्रों का कहना है कि बरामद रसीद बुकें 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र' से जुड़े पुराने वर्शन जैसी लग रही हैं। जांचकताओं का मानना है कि जब भी भक्त दान देने की इच्छा जताते थे, तो आरोपी ये रसीदें जारी कर देते थे, जिससे ऐसा लगता था कि दान को आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया

जा रहा है। इस कथित रैकेट में कई आरोपी शामिल थे, जिनमें टिन्नू यादव, लव कुश मिश्रा, करुणेश पांडे और अनुकल्प मिश्रा के साथ-साथ वे लोग भी शामिल हैं जिन्हें पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अधिकारी अब कथित धोखाधड़ी के दायरे का पता लगाने के लिए बरामद रसीदों की असलियत और उनके स्रोत की जांच कर रहे हैं। सबूत जुटाने के लिए पुलिस ने आरोपियों को रिमांड पर लिया अयोध्या पुलिस

*पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपियों की निशानदेही पर 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' के नाम वाली एक नकली रसीद बुक बरामद की गई है। पूछताछ के दौरान, संदिग्धों ने कथित तौर पर माना कि उन्होंने न केवल मंदिर के चढ़ावे में हेराफेरी की,*

ने तीन आरोपियों अनुकल्प मिश्रा, लव कुश मिश्रा और करुणेश पांडे को रिमांड पर लेकर जेल से बाहर निकाला है और जांच तेज कर दी है। बुधवार को, मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी से जुड़े सबूत खोजने के लिए इन तीनों को उनसे जुड़ी अलग-अलग जगहों पर ले जाया गया। जांच करने वाले अधिकारी बैंक खातों में जमा पैसे समेत पैसों के लेन-देन की भी जांच कर रहे हैं और आरोपियों से उन संपत्तियों के बारे में पूछताछ कर रहे हैं जो कथित तौर पर गलत तरीके से हासिल किए गए पैसों से खरीदी गई थीं। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या आरोपियों ने कथित चोरी से मिली रकम से जमीन, गाड़ियां और दूसरी संपत्तियां खरीदी थीं। जांच का ध्यान अब उन संपत्तियों पर भी है जो हाल ही में अनुकल्प मिश्रा ने खरीदी हैं। उम्मीद है कि पुलिस उनसे उनके नए खरीदे गए घर और गाड़ी के बारे में पूछताछ करेगी और जरूरत पड़ने पर तलाशी भी ले सकती है। इससे पहले, जांच करने वालों ने जेल के अंदर पांच आरोपियों से पूछताछ की थी, और खबरों के मुताबिक इस पूछताछ से अहम सुराग मिले थे। उन जानकारियों के आधार पर, पुलिस ने अब तीन आरोपियों को आगे की पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है ताकि मंदिर के दान और चढ़ावे से जुड़े कथित घोटाले की पूरी सच्चाई का पता लगाया जा सके।

## संपादकीय

### जानलेवा मैनहोल

मानसून की बारिश जहां किसानों के लिये राहत लेकर आती हैं, वहीं तंत्र की काहिली और भ्रष्टाचार की पोल भी खोल देती है। मानसून की शुरूआती बारिश ने एक बार फिर सार्वजनिक संरचनाओं की जानलेवा खामियों को ही उजागर किया। मुंबई में बारिश के पानी में नजर न आने वाले एक खुले मैनहोल में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं हाल ही में खुले बहुचर्चित दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे ने पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की बदहाली उजागर कर दी। ये घटनाएं हमें बताती हैं कि बारिश के मौसम में स्थानीय निकायों की लापरवाही व खराब इंजीनियरिंग के चलते कैसे लोगों का जीवन जोखिम में पड़ जाता है। निस्संदेह, मुंबई में हुए हादसे को रोका जा सकता था। कथित साफ-सफाई के बाद लापरवाही से खुला छोड़ा गया मैनहोल तब जानलेवा बन गया, जब बारिश के पानी से ढका खुला मैनहोल नजर नहीं आया। निस्संदेह, दुर्घटना के बाद अधिकारियों को निलंबित करना और ठेकेदार को काली सूची में डालना, फौरी तौर पर सही कदम है, लेकिन सवाल यह है कि हादसे होने के बाद ही ऐसे कदम क्यों उठाये जाते हैं? पहले से ही नागरिकों की सुरक्षा के लिये चाक-चौबंद व्यवस्था क्यों नहीं होती? कायदे से किसी सड़क पर मैनहोल खोलने से पहले बैरिकेड्स लगाने, चेतावनी देने वाले संकेत और अस्थायी कवर से ढकना बुनियादी सुरक्षा उपाय हैं। जिन्हें अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बीते साल भी दिल्ली में भारी बारिश के दौरान स्कूटर फिसलने से एक महिला और उसका तीन साल का बेटा पानी से भरे नाले में बह गये थे। ये असुरक्षित ड्रेनेज संरचना की घातकता को ही दशार्ता है। विडंबना है कि हमारा तंत्र सालभर सोया रहता है और जब बरसात शुरू होने को होती है, तब मरम्मत- नालों की सफाई के काम की औपचारिकता पूरी करता है। निस्संदेह, संबंधित विभागों के अधिकारियों की सर्वकालिक जवाबदेही तय की जानी चाहिए। फिर किसी भी तरह की लापरवाही होने पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के धंसने की घटना भी एक चिंताजनक स्थिति को दशार्ती है। यह निर्विवाद सत्य है कि कोई सड़क बारिश आने के कारण रातों-रात नहीं धंसती है। इसमें सड़क निर्माण के दौरान सतर्कता की अनदेखी भी शामिल है। दरअसल, सड़क निर्माण के दौरान जल निकासी की कारगर व्यवस्था न होने, मिट्टी की स्थिरता सुनिश्चित न करने और निर्माण में गुणवत्ता की कमी से ही बरसाती पानी सड़क की सतह के नीचे मिट्टी को धीरे-धीरे काटने लगता है। कालांतर यह मिट्टी का कटाव ही सड़क धंसने की वजह बन जाता है। साल 2024 में बिहार में पुलों के ढहने की शृंखला ने भी निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग की हकीकत बतायी थी। इसी तरह की चिंताएं अकसर सामने आती हैं जब आधुनिक कहे जाने वाले महानगरों बेंगलुरू और मुंबई में हर मानसून में सड़कों में बने गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। इतना ही नहीं इससे यातायात में भी अराजकता व व्यवधान पैदा होता है। बहरहाल, इन सभी घटनाओं के मूल में एक बात तो समान है कि स्थानीय निकाय व प्रशासन जोखिमों का समय रहते अनुमान नहीं लगा पाते हैं।

## चिंतन-मनन

### शिष्य बना प्रशंसा का पात्र

गंगा किनारे गुरु अभेंद्र का आश्रम था। एक बार देश में भीषण अकाल पड़ा। गुरु अभेंद्र ने संकटग्रस्तों की मदद के उद्देश्य से अपने तीन शिष्यों को बुलाकर कहा - ऐसे संकट के समय में हमें अकाल पीड़ितों की सेवा करनी चाहिए। तुम लोग अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर भूखों को भोजन कराओ।

उनकी बात सुनकर शिष्य बोले - गुरुजी, हम इतने सारे लोगों को भोजन कैसे कराएंगे? हमारे पास न तो अन्न भंडार है और न अनाज खरीदने के लिए धन। तब गुरु अभेंद्र ने उन्हें एक थाली देते हुए कहा - यह थाली दिव्य है। तुम जितना भोजन मांगोगे, यह उतना भोजन उपलब्ध कराएगी। तीनों शिष्य थाली लेकर निकल पड़े। दो शिष्य एक स्थान पर बैठ गए। उधर से जो भी गुजरता, उसे वे भोजन कराते। किंतु तीसरा शिष्य मोहन बैठा नहीं, बल्कि घूम-घूमकर भूखों को खोजता रहा और उन्हें खाना बांटता रहा। कुछ दिनों बाद जब तीनों आश्रम लौटे, तो गुरु ने मोहन की खूब प्रशंसा की। दोनों शिष्यों को यह अजीब लगा।

उन्होंने पूछा - गुरुदेव, हमने भी तो अकाल पीड़ितों की सेवा की है। फिर मोहन की ही प्रशंसा क्यों गुरु ने उत्तार दिया - तुमने एक ही स्थान पर बैठकर पीडघ्तों की सहायता की। ऐसा करने से वे लोग तुम्हारी मदद से वंचित रह गए, जो चलकर तुम्हारे पास आने में असमर्थ थे। जबकि मोहन ने लोगों के पास जा-जाकर उन्हें भोजन कराया। उसकी सहायता अधिकतम लोगों तक पहुंची, इसलिए उसकी सेवा अधिक प्रशंसा के योग्य है। कथा का सार यह है कि वही सेवा अधिक सराहनीय होती है, जो आगे बढ़कर की जाए।

**आवश्यकता है**

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

# ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई का 131 दिन बाद अंतिम संस्कार

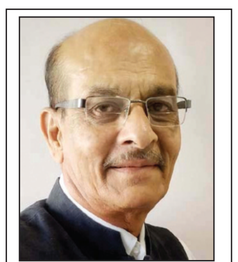

सनत जैन

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में शुरू हो गई हैं। शुक्रवार को शुरू हुए इस अंतिम संस्कार कार्यक्रम में खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों को विदाई दी जा रही है। उनके पार्थिव शरीर को ताबूत में रखा गया है। लोगों को अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए 60 शहरों से होते हुए यह जनाजा उनके जन्म स्थान पर जाकर दफनाया जाएगा। सुप्रीम लीडर के परिवार में उनकी 14 महीने की पोती, उनकी पत्नी, बेटी और दामाद का भी जनाजा साथ में निकाला जा रहा है। सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों की 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर संयुक्त हवाई हमला किया था। इसमें उनकी मौत हो गई थी। उनकी मौत के 131 दिन बाद 9 जुलाई को उन्हें ईरान के मशहद शहर में दफनाया जाएगा। लगभग 100 देशों के प्रतिनिधि मंडल तेहरान पहुंच गए हैं। इजराइल द्वारा धमकी दिए जाने के बाद उनके पुत्र मुज्तबा खामनेई सुरक्षा कारणों से अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो रहे हैं। इजराइल की धमकी के बाद अंतिम संस्कार के जनाजे की सुरक्षा एवं इसमें आने वाले करोड़ों लोगों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।

ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई का जनाजा 6 शहरों से होते हुए उनके जन्म स्थल पर ले जाया जाएगा जहां पर उनके पूर्वजों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया था, वहीं उन्हें भी दफन किया जाएगा। जनाजे में भारी भीड़ उमर रही है। सुरक्षा को देखते हुए बड़े पैमाने पर इंतजाम किए गए हैं। तेहरान में विदेश से आने वालों के लिए ठहरने की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही ईरान के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग जनाजे में शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। उसको ध्यान में रखते हुए सैकड़ो सेवा केंद्र बनाए गए हैं। जहां पर लोगों के ठहरने खाने-पीने और स्वास्थ्य संबंधी इंतजाम किया गया है। ईरान की सरकार ने अमेरिका और इजराइल को कड़ी चेतावनी दी है। यदि उन्होंने इस मौके पर कोई हरकत की तो इसका ऐसा जवाब दिया जाएगा जो अमेरिका और इजराइल ने सोचा भी नहीं होगा। शुक्रवार से शुरू हुए जनाजे के इस कार्यक्रम में जिस तरह से ईरान की जनता उमड़ रही है वह सारी दुनिया के लोगों के लिए एक आश्चर्य में डालने की तरह है।

अमेरिका और इजराइल ने जब ईरान के ऊपर हमला किया था उस समय ईरान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन चल रहे थे। अमेरिकी शह में जो प्रदर्शन हो रहे थे, उसे देखते हुए अमेरिका को लग रहा था कि वह एक सप्ताह के अंदर ईरान में सत्ता परिवर्तन करा देगा। अमेरिका और इजराइल का यह अनुमान गलत साबित हुआ। हमले में आयतुल्लाह खामेनेई और उनके परिवार के पांच सदस्यों की हत्या होने के बाद ईरान में बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई थी। सारा ईरान एकजुट हो गया। अमेरिका और इजराइल के खिलाफ जो लड़ाई ईरान ने लड़ी है, वह सारी दुनिया के लिए एक मिसाल बन गई है। आयतुल्लाह खामेनेई ने कई दशको पहले फतवा जारी कर दिया था। उनका धर्म परमाणु बम बनाने की इजाजत नहीं देता है। ईरान परमाणु बम नहीं बनाएगा। उन्होंने जो फतवा जारी किया था, शहादत होने तक उसका पालन करते हुए सारी दुनिया को एक संदेश देने की कोशिश भी की है। जिसकी चर्चा सारी दुनिया में हो रही है।

# नजर आ रहे खतरे से बचाव नहीं, भूकंप से कैसे बचाएंगी सरकारें

योगेन्द्र योगी

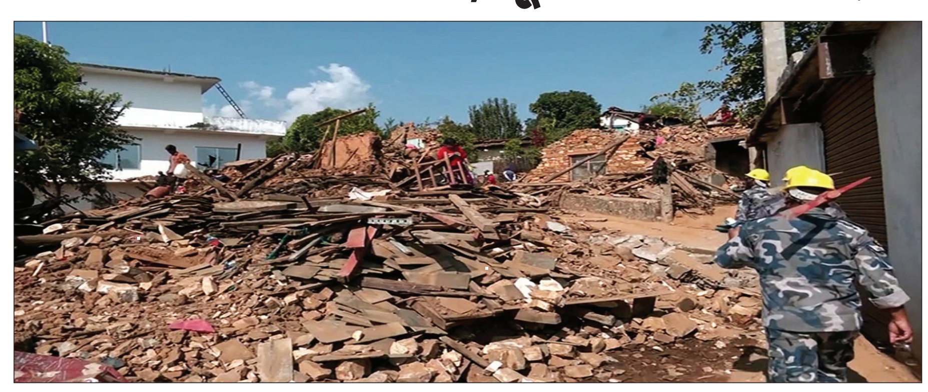

वेनेजुएला में एक मिनट के अंदर दो बड़े विनाशकारी भूकंप में करीब दो हजार लोगों की मौत हो गई। इस प्राकृतिक आपदा में करीब 10 हजार लोग घायल हो गए। बगैर किसी चेतावनी के आने वाली भूकंप जैसी आपदाएं सरकारों को चेताती हैं कि पहले से बचाव के उपाए किए जाएं, ताकि कम से कम जानमाल का नुकसान हो सकें। भूकंप का खतरा भारत मे भी है। देश के कई हिस्सों में कई बार शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। सवाल यह है कि पूर्व में आए इन भूकंपों से देश की सरकारों ने कोई सबक सीखा है। क्या देश में ऐसे इंतजाम किए गए हैं कि भूकंप आने पर कम से कम जानमाल का नुकसान हो।

दरअसल भारत के राजनीतिक दलों और सरकारों से किसी भी प्राकृतिक आपदा से पहले और बाद में बचाव की ज्यादा उम्मीदें नहीं की जा सकती हैं। कारण साफ है केंद्र और राज्यों की सरकारों को सामने स्पष्ट नजर आते हुए खतरों से लोगों को बचाने का कोई इंतजाम नहीं हो, वे भूकंप जैसे छिपे हुए खतरों से कैसे बचाएंगे। दिल्ली के बाद लखनउ में आग से 15 लोगों की मौत हो गई। ऐसी लाखों इमारतें अकेले उत्तर प्रदेश में हैं, जिनमें आग से बचाने के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। जब दिल्ली में आग लगी तभी राज्यों की सरकारों को सतर्क हो जाना चाहिए था। लेकिन सरकारों ने लोगों की जान की परवाह नहीं की। अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में आग ने पांच-छह मरीजों को लील लिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के नोएडा और फिर मध्य प्रदेश के इंदौर में आग ने फ्लैट और शोरूम खाक कर दिए। तीन दिन में आग की चार भयानक घटनाओं ने लोगों को डरा दिया है और करीब 26 लोगों की जलकर या काले धुएं की चपेट में आकर मौत हो गई है।

राष्ट्रीय और राज्य स्तर के अनुमानों के अनुसार, वाणिज्यिक और आवासीय क्षेत्रों के 60 प्रतिशत से अधिक छोटे और मध्यम भवन बिना वैध फायर एनओसी के चल रहे हैं। देश भर में दमकल केंद्रों में 97.5 प्रतिशत, दमकल कर्मियों में 96.2 प्रतिशत और अग्निशमन उपकरणों में लगभग 80 प्रतिशत तक की कमी है। देश के लगभग हर बड़े शहर में सुरक्षा नियमों को दरकिनार किया जा रहा है। यह खतरा ऐसा है, जो साफ दिखाई देता है। इससे बचाव के शत–प्रतिशत इंतजाम भी किए जा सकते हैं। इसके बावजूद राज्यों और केंद्र ने पूर्व में हुए ऐसे हादसों से सबक नहीं सीखा।

ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है, सामने स्पष्ट तौर पर दिखाई दे रहे खतरे से निपटने में सरकारें नाकाम हैं तो भूकंप जैसी अचानक आने वाली आपदा और उसके भयावह रूप से सरकारें कैसे निपटेंगी। जबकि भूगर्भ वैज्ञानिक साफ चेता चुके हैं कि देश के कितने हिस्सों में कभी भी भीषण भूकंप आ सकता है। पिछले दो दशकों में देश में 10 बड़े भूकंप आए हैं, जिनमें 20,000 से अधिक लोगों की जान गई है। नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी के मुताबिक भारत में करीब 20 करोड़ इमारतें भूकंपीय क्षेत्र 4 और 5 में आती हैं। इनमें से कई इमारतें 30-40 साल पहले बनी थीं और इनमें से कई इमारतें नेशनल बिल्डिंग कोड्स का पालन नहीं करती हैं।

भूकंप संभावित क्षेत्रों में जोन-1 में भूकंप आने की आशंका सबसे कम रहती है, वहीं जोन-5 में ज्यादा प्रबल रहती है। दिल्ली-एनसीआर का इलाका सीस्मिक जोन-4 में आता है और यही वजह है कि उत्तर भारत के इस क्षेत्र में सीस्मिक गतिविधियाँ तेज रहती हैं। भूगर्भ विशेषज्ञों ने भारत के करीब 59% भू-भाग को भूकंप संभावित क्षेत्र के रूप में वगीर्कृत किया है। जानकार सीस्मिक जोन-4 में आने वाले भारत के सभी बड़े शहरों की तुलना में दिल्ली में भूकंप की आशंका ज्यादा बताते हैं। गौरतलब है कि मुंबई, कोलकाता, चेन्नई और बेंगलुरु जैसे शहर सीस्मिक जोन-3 की श्रेणी में आते हैं। जबकि भूगर्भशास्त्री कहते हैं कि दिल्ली की दुविधा यह भी है कि वह हिमालय के निकट है, जो भारत और यूरेशिया जैसी टेक्टॉनिक प्लेटों के मिलने से बना था और इसे धरती के भीतर की प्लेटों में होने वाली हलचल का खमियाजा भुगतना पड़ सकता है।

नेशनल सेंटर फोर सिसमोलॉजी के मुताबिक भारत के 29 शहरों पर भूकंप का गंभीर खतरा है। इन शहरों में दिल्ली समेत नौ राज्यों की राजधानियां भी हैं। ये ज्यादातर शहर हिमालय जोन से लगे हैं। हिमालय से लगे शहर दुनियां के उन शहरों में शुमार हैं, जहां भूकंप का सबसे ज्यादा खतरा रहता है। दिल्ली, पटना, श्रीनगर, कोहिमा, पुडुच्चेरी, गुवाहाटी, गंगटोक, शिमला, देहरादून, इम्फाल और चंडीगढ़ भूकंपीय क्षेत्र के जोन चार और पांच में हैं। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी) के मुताबिक ये वो शहर हैं जहां आबादी का घनत्व बहुत सघन है और ये गंगा के मैदानी भाग हैं।

इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने यह भी कहा है कि सिस्मिक जोन-4 में आने वाली राजधानी दिल्ली भूकंप के बड़े झटके से खासा प्रभावित हो सकती है। अगर यहां 7 की तीव्रता वाला भूकंप आया तो दिल्ली की कई सारी इमारतें और घर रेत की तरह भरभराकर गिर जाएंगे। ऐसा इसलिए है, क्योंकि दिल्ली की इमारतों में इस्तेमाल होने वाली निर्माण सामग्री ऐसी है, जो भूकंप के झटकों का सामना करने में पूरी तरह से सक्षम नहीं है। दिल्ली में मकान बनाने की निर्माण सामग्री ही आफत की सबसे बड़ी वजह है। दिल्ली में 1760 से अधिक अनधिकृत कॉलोनियां हैं। इन अनधिकृत कॉलोनियों में गैर-इंजीनियरिंग इमारतें बनी हैं, जिनमें भूकंप प्रतिरोध क्षमता शायद ही हो।

भूकंप के प्रति सर्वाधिक संवेदनशील और खतरनाक माने जाने वाले जोन पांच में भारत का पूरा पूर्वोत्तर है। इनमें जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात के साथ उत्तरी बिहार के कुछ हिस्से और अंडमान निकोबार हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर का कुछ हिस्सा, दिल्ली, सिक्किम, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात के कुछ हिस्से और महाराष्ट्र का कुछ भाग जोन चार में हैं। गुजरात का भुज 2001 में भयावह तरीके से भूकंप की चपेट में आया था। इस भूकंप में 20 हजार लोग मारे गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने साल 2025 में आदेश दिया था कि ऐसी सभी इमारतें, जिनमें 100 या उससे अधिक लोग रहते हैं, उनके ऊपर भूकंप-रोधी होने वाली किसी एक श्रेणी का साफ उल्लेख होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश अन्य जनहित के आदेशों की तरह सरकारी फाइलों में दफन हो गया। अग्नि दुर्घटनाओं की तरह तो नहीं पर मौटे तौर पर सरकारों को इस बात का अंदाजा है कि देश के किन इलाकों में भूकंप आ सकता है। जिस देश में साफ नजर आने वाले खतरे की नेताओं और सरकारों को परवाह नहीं, उन्हें छिपे हुए अचानक आने वाले खतरों से देश के लोगों को बचाने की क्या परवाह होगी। देश में ऐसा एक भी राज्य नहीं हैं, जहां की किसी भी तरह की इमरातें, अग्नि दुर्घटनाओं से सुरक्षित हो, या उनमें अग्नि दुर्घटना होने पर बचाव के पूरे कानूनी प्रावधान हों, ऐसे में छिपे हुए अचानक आए खतरनाक भूकंप से बचाने के लिए इंतजाम भगवान भरोसे है।

होना तो यह चाहिए था कि इतने अग्निकांडों के बाद देश में सरकारों की नींद खुल जानी चाहिए थी। देश के जितने भी व्यवसायिक या निजी इमारतें हैं, उनमें आग से बचाव के इंतजामों की तत्काल जांच की जानी चाहिए थी। आग लगने पर लोगों की जान खतरे में डालने वाले ऐसे भवनों को तत्काल सील किया जाना चाहिए था। इससे भी महत्वपूर्ण जिन विभागों की अग्निशमन के उपायों की जांच करने की जिम्मेदारी है, उनके खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए थी। एक के बाद एक अग्नि दुर्घटनाएं होती रहीं किन्तु सरकारों की नींद नही खुली।

# दिल्लीः वायु प्रदूषण के साथ ओजोन प्रदूषण की चुनौती

राजधानी दिल्ली वर्षों से वायु प्रदूषण की भयावह समस्या से जूझती रही है। हर सर्दी में धुंध की मोटी चादर, जहरीली हवा और दमघोंटू वातावरण राष्ट्रीय चिंता का विषय बनते हैं। अब तक इस संकट की चर्चा मुख्यतः पीएम 2.5, पीएम 10, पराली और वाहनों के धुएँ तक सीमित रही, लेकिन अब एक नया और अधिक खतरनाक खतरा तेजी से उभरकर सामने आया है- भूतलीय (ग्राउंड लेवल) ओजोन प्रदूषण। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की हालिया रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, जयपुर, चंडीगढ़ और अहमदाबाद जैसे शहर भी ओजोन प्रदूषण की गिरफ्त में आते जा रहे हैं। यह प्रदूषण दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके दुष्प्रभाव धीरे-धीरे मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण को भीतर तक बीमार कर रहे हैं। विडम्बना यह है कि प्रदूषण जैसे गंभीर विषय को भी अक्सर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित कर दिया जाता है। कभी किसानों की पराली को संपूर्ण दोषी ठहरा दिया जाता है तो कभी केवल वाहनों को। जबकि वास्तविकता कहीं अधिक व्यापक है। यदि समस्या की जड़ तक पहुँचना है तो अनियोजित शहरीकरण, अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, ऊर्जा उपभोग की वर्तमान व्यवस्था और विकास के मौजूदा मॉडल पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा।

दिल्ली आज केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा प्रदूषण हॉटस्पॉट भी बन चुकी है। गर्मियों में बढ़ते तापमान, तेज धूप और वाहनों एवं उद्योगों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों की रासायनिक प्रतिक्रिया से भूतलीय ओजोन बनती है। यह वही ओजोन नहीं है जो वायुमंडल की ऊपरी परत में पृथ्वी को पराबैंगनी किरणों से बचाती है। धरातल पर बनने वाली ओजोन एक विषैली गैस है, जो फेफड़ों की कार्यक्षमता कम करती है, दमा के रोगियों की स्थिति बिगाड़ती है, आँखों में जलन पैदा करती है तथा हृदय रोगों का जोखिम बढ़ाती है। आज दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में लोग सांस लेने में कठिनाई, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिनमें ओजोन प्रदूषण की भूमिका लगातार बढ़ रही है। दिल्ली सरकार ने प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन, नई इलेक्ट्रिक वाहन नीति, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, चार्जिंग स्टेशन विकसित करने की योजना और पुराने प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने जैसे निर्णय निश्चित रूप से सकारात्मक हैं। यदि इन योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन होता है तो आने वाले वर्षों में प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में सार्थक परिवर्तन देखने को मिल सकता है। लेकिन केवल वाहन नीति से समस्या का समाधान संभव नहीं है।

वास्तविक संकट अनियोजित शहरीकरण का है। पिछले दो दशकों में दिल्ली और उससे लगे क्षेत्रों में जिस तेजी से खेत, तालाब और हरित क्षेत्र कंक्रीट के जंगलों में बदले हैं, उसने प्राकृतिक संतुलन को गहरा आघात पहुँचाया है। जहाँ कभी वर्षा का पानी धरती में समा जाता था, वहाँ अब सीमेंट और डामर की सतह है। पारंपरिक जलस्त्रोत मिट गए, पेड़ों की संख्या घटी और गर्मी बढ़ती गई। यही कारण है कि शहरों का तापमान आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक रहने लगा है। यही अतिरिक्त गर्मी ओजोन बनने की प्रक्रिया को और तेज करती है। आज महानगरों का विस्तार विकास का प्रतीक माना जाता है, लेकिन यह विकास प्रकृति की कीमत पर हो रहा है। शहरों को सड़कें चाहिए, बिजली चाहिए, आवास चाहिए, उद्योग चाहिए। इन सबके लिए खेत समाप्त हो रहे हैं, जंगल कट रहे हैं और जलस्त्रोत नष्ट हो रहे हैं। परिणामस्वरूप प्रदूषण केवल हवा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जल, मिट्टी और जैव विविधता भी प्रभावित हो रही है। विकास की यह दिशा अंततः मानव जीवन के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती है। दिल्ली में निजी वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सार्वजनिक परिवहन की उपलब्धता और गुणवत्ता अभी भी इतनी प्रभावी नहीं हो सकी कि लोग निजी वाहनों का त्याग करें। इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना स्वागतयोग्य है, किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि बिजली यदि कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों से आएगी तो प्रदूषण केवल एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित होगा। इसलिए स्वच्छ ऊर्जा, सौर ऊर्जा और हरित परिवहन को समानांतर गति से बढ़ाना आवश्यक है।

ओजोन प्रदूषण केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है। यह कृषि उत्पादन को भी प्रभावित करता है। वैज्ञानिक अध्ययनों में पाया गया है कि ओजोन फसलों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित कर उत्पादन घटा देती है। ऐसे समय में जब जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून और बढ़ती गर्मी पहले ही किसानों के सामने बड़ी चुनौती बने हुए हैं, ओजोन प्रदूषण कृषि संकट को और गहरा कर सकता है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत अनेक शहरों में वायु गुणवत्ता सुधारने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, किंतु अब समय आ गया है कि इसकी रणनीति का विस्तार किया जाए। केवल पार्टिकुलेट मैटर पर ध्यान देने के बजाय ओजोन जैसे द्वितीयक प्रदूषकों की निगरानी, वैज्ञानिक अध्ययन और नियंत्रण पर भी समान बल देना होगा। वायु गुणवत्ता निगरानी तंत्र को अधिक व्यापक, आधुनिक और पारदर्शी बनाना होगा।

समस्या के समाधान में नागरिकों की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। कचरा जलाना, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, खुले में ईंधन जलाना, प्लास्टिक और औद्योगिक कचरे का अनुचित निस्तारण जैसी आदतों में परिवर्तन लाना होगा। अधिक से अधिक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग, साइकिल और पैदल चलने की संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। शहरों में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण, हरित पट्टियों का विकास और पारंपरिक जलस्त्रोतों का पुनर्जीवन भी प्रदूषण नियंत्रण की प्रभावी रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। वायु प्रदूषण केवल पर्यावरणीय संकट नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी है। बढ़ती बीमारियाँ स्वास्थ्य व्यवस्था पर बोझ डालती हैं, कार्यक्षमता घटाती हैं और करोड़ों रुपये की आर्थिक हानि का कारण बनती हैं। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि प्रदूषण बच्चों और युवाओं के भविष्य को प्रभावित कर रहा है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को इसका कहीं अधिक गंभीर मूल्य चुकाना पड़ेगा।

दिल्ली सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदम स्वागतयोग्य हैं और उनसे सकारात्मक परिणामों की आशा की जा सकती है, किंतु यह तभी संभव होगा जब केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय, उद्योग, वैज्ञानिक समुदाय और नागरिक समाज मिलकर समन्वित प्रयास करें। प्रदूषण किसी एक सरकार, एक मौसम या एक कारण की समस्या नहीं है। यह हमारे विकास मॉडल, जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति दृष्टिकोण का परिणाम है। आज आवश्यकता दोषारोपण की नहीं, बल्कि दूरदर्शी नीति और सामूहिक उत्तरदायित्व की है। यदि हम स्वच्छ हवा चाहते हैं तो केवल प्रदूषण कम करने की योजनाएँ नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित विकास की नई संस्कृति विकसित करनी होगी। अन्यथा ओजोन जैसी अदृश्य गैसें हमारे शहरों को धीरे-धीरे बीमार करती रहेंगी और विकास का यह मॉडल स्वयं मानव सभ्यता के लिए सबसे बड़ा संकट बन जाएगा।

# मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस एवं डीबीटी योजना का भव्य शुभारंभ

**अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के ब्लॉक सभागार में मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस एवं डीबीटी योजना का भव्य शुभारंभ किया गया। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत माध्यमिक शिक्षक, शिक्षिकाएं, बेसिक शिक्षक, अनुदेशक, रसोइये, शिक्षामित्र आदि सरकारी शिक्षा कर्मियों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करके की गई। नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन, उप जिलाधिकारी अमरोहा सदर विभा श्रीवास्तव, खंड शिक्षा अधिकारी अमरोहा सोनू कुमार और खंड शिक्षा अधिकारी जोया भारत भूषण त्यागी द्वारा संयुक्त रूप से योजना का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाओं को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस योजना के कार्ड वितरित किए गए, जिससे वे योजना का तत्काल लाभ ले सकेंगे। नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन एवं उप जिलाधिकारी विभा श्रीवास्तव ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षकों के कल्याण के लिए शुरू की गई यह योजना अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को योजना का लाभ उठाने का आह्वान किया और सरकार का आभार व्यक्त किया।

उपस्थित प्रमुख अतिथियों में एससी-एसटी जिला अध्यक्ष करतार सिंह, ब्लॉक मंत्री जोया हीरा सिंह, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, मोनू चौधरी, दिनकर सिंह, एआरपी अमरोहा पूनम माहेश्वरी, एआरपी जोया सहित बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। मंच संचालन पूर्व एआरपी अमरोहा धर्मपाल सिंह ने किया। इस योजना से जिले के हजारों शिक्षा कर्मी लाभान्वित होंगे।

# पिछड़े वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवकों-युवतियों का नि:शुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण से संवरेगा भविष्य

**अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:-** पिछड़े वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवकों-युवतियों के लिए अच्छा अवसर। निःशुल्क कंप्यूटर प्रशिक्षण के माध्यम से हुनर सीखकर आत्मविश्वास बढ़ाएं और रोजगार की राह को आसान बनाएं। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी अमरोहा ने सूचित किया है कि निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र द्वारा ओ-लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के लिए संशोधित समय-सारिणी जारी की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 20 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना के अनुसार न्यूनतम इंटरमीडिएट उत्तीर्ण, 18 से 35 वर्ष की आयु वाले बेरोजगार युवक-युवतियां जिनके अभिभावक की वार्षिक आय ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में 1.00 लाख रुपये तक है, इस योजना का लाभ ले सकते हैं। अभ्यर्थी किसी अन्य संस्था से छात्रवृत्ति न ले रहा हो। प्रशिक्षण दो प्रकार का होगा- ओ-लेवल (01 वर्ष) एवं सीसीसी (03 माह)। आवेदन वेबसाइट obccomputertraining. upsdc. gov. in पर ऑनलाइन करना होगा। ऑनलाइन आवेदन का प्रिंट आउट लेकर आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र (दोनों बोर्ड ऑफ रेवेन्यू/ई-डिस्ट्रिक्ट से), हाईस्कूल एवं इंटर के अंक पत्र तथा आधार कार्ड की छायाप्रति सहित हार्डकॉपी की दो प्रतियां 20 जुलाई 2026 शाम 5:00 बजे तक जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन, कक्ष संख्या-213, जोया रोड, अमरोहा में जमा करना अनिवार्य है। इसके बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। इस निःशुल्क प्रशिक्षण से युवाओं का भविष्य संवरने और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

# शिक्षक, शिक्षामित्र एवं रसोइयों को वितरित किए गए मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा योजना के कार्ड

**हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):-** उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों, शिक्षिकाओं, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों तथा रसोइयों के स्वास्थ्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के अंतर्गत बुधवार को तहसील सभागार हसनपुर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 20 लाभार्थियों जिसमें शिक्षकों, शिक्षा मित्रों एवं रसोईयों को योजना के कैशलेस चिकित्सा कार्ड वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र खड़गवंशी, ब्लॉक प्रमुख हसनपुर ममता गुर्जर, उपजिलाधिकारी हसनपुर हिमांशु उपाध्याय, खंड शिक्षा अधिकारी हसनपुर अरुण कुमार तथा खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शिक्षा विभाग से जुड़े सभी कार्मिकों के लिए अत्यंत लाभकारी एवं जनकल्याणकारी पहल है।विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख हसनपुर ममता गुर्जर ने कहा कि इस योजना के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे आर्थिक बोझ कम होगा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं समय पर प्राप्त हो सकेंगी। कार्यक्रम में विकास क्षेत्र गंगेश्वरी से यशपाल सिंह, रामवीर सिंह, पवन अग्रवाल, चंद्रपाल सिंह, बिजेंद्र सिंह एवं भुवनेश वर्मा, वहीं विकास क्षेत्र हसनपुर से होमपाल चौहान, उज्ज्वल वर्मा, निर्देश कुमार, नमित कुमार, कुलदीप चौहान एवं योगेश कुमार ,माध्यमिक शिक्षा विभाग से आनंद कुमार, सुमित कुमार गौतम, प्रेमवीर त्यागी, राजेंद्र सिंह तथा अवधेश कुमार त्यागी,रसोइया शर्मिला, सावित्री एवं राजवती आदि को मुख्यमंत्री कैशलेस चिकित्सा योजना से आच्छादित किया गया। इस अवसर पर एआरपी राजनारायण, मोहम्मद सुलेमान,जयवीर सिंह, इरशाद अली, करणवीर सिंह, प्रमोद कुमार, देवेंद्र शर्मा, दिनेश कुमार,महताबउद्दीन, फिरोज खान, कमल शर्मा, रूप बसंत,संदीप कुमार, सुधीर शर्मा,प्रदीप भाटी, विनोद कुमार, राजेंद्र सिंह,राणा प्रताप, सचिन गुप्ता,ओमसरन तोमर,लोकेश सिंह, संजय सिंह, नितिन कुमार,अनुराधा शर्मा, पल्लवी, सुमन,पलक, सावित्री आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के संयोजक खंड शिक्षा अधिकारी हसनपुर अरुण कुमार एवं खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना विभाग की प्राथमिकता है। कार्यक्रम का कुशल संचालन उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, ब्लॉक गंगेश्वरी के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने किया।

# घायल महिला के लिए फरिश्ता बनी जिला अस्पताल की टीम

**अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:-** जिला अस्पताल की इमरजेंसी ड्रामा वार्ड की टीम ने एक गंभीर रूप से घायल महिला की जान बचाकर फरिश्ते का काम किया है। मंगलवार रात करीब 10:35 बजे एक महिला ट्रेन से गिर गई, जिससे उसके एक पैर के नीचे से कट गया। गंभीर अवस्था में घायल महिला को जीआरपी टीम ने तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया। इमरजेंसी वार्ड में डॉ. अनुराग सैनी के नेतृत्व में वार्ड कर्मचारी मुकेश जांगिड़ एवं अन्य स्टाफ ने तुरंत कार्रवाई करते हुए महिला को बेहतर चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई। डॉक्टरों और स्टाफ की त्वरित प्रतिक्रिया और समर्पण के कारण महिला की जान बच सकी। डॉ. अनुराग सैनी ने बताया कि यदि 10 मिनट की देरी होती तो महिला की जान बचाना मुश्किल हो जाता। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को बेहतर इलाज के लिए मेरठ स्थित हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जिला अस्पताल प्रशासन ने इमरजेंसी वार्ड की इस टीम की सराहना की है। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जिला अस्पताल की इमरजेंसी टीम गंभीर मरीजों के लिए फरिश्ते की भूमिका निभा रही है। स्थानीय लोगों ने डॉ. अनुराग सैनी और उनकी टीम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी त्वरित और संवेदनशील सेवा सराहनीय है। जिला अस्पताल प्रबंधन ने ऐसे समर्पित चिकित्सकों एवं स्टाफ को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया है।

# वन महोत्सव सप्ताह के तहत सिहाली जहांगीर वन में पौधारोपण

**अमरोहा (रोहित कुमार):-** वन संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वन संरक्षक मुरादाबाद क्षेत्र आदर्श कुमार ने क्षेत्रीय निदेशक मुरादाबाद के साथ सिहाली जहांगीर वन क्षेत्र में वन महोत्सव सप्ताह के अंतर्गत पौधारोपण कार्यक्रम किया। प्रभागीय वन अधिकारी राजीव कुमार और एसडीओ सहित वन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। वन संरक्षक आदर्श कुमार ने आंवला प्रजाति का पौधा रोपित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस अवसर पर वन संरक्षक आदर्श कुमार ने कहा कि 12 जुलाई को जनपद में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने आम जनमानस से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाएं तथा उनके संरक्षण के लिए अपना अमूल्य समय दें। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ-साथ पौधों की सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है, तभी पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। वन विभाग के अधिकारियों ने वन महोत्सव सप्ताह को सफल बनाने के लिए पूरे जनपद में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाने का भी संकल्प लिया।

इस कार्यक्रम के माध्यम से वन विभाग का प्रयास है कि जनपद अमरोहा को हरा-भरा बनाया जाए और पर्यावरण संतुलन बनाए रखा जाए। स्थानीय नागरिकों से भी अपेक्षा की गई है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और आने वाली पीढ़ी के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करें।

# राजकीय इंटर कॉलेज की जिम्मेदारी को बेहतर ढंग से निभाएंगे जयवीर सिंह

**अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमार:-** शहर के प्रसिद्ध पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत जयवीर सिंह ने प्रधानाचार्य का चार्ज ग्रहण कर लिया है। उन्होंने शैक्षणिक व प्रशासनिक जिम्मेदारियों को संभालते हुए कॉलेज को नई दिशा देने का संकल्प लिया है। इससे पहले कॉलेज के प्रधानाचार्य ललित कुमार का तबादला जिला बिजनौर में एडीआईओएस के पद पर हो गया। उनके स्थानांतरण के तुरंत बाद जयवीर सिंह को अतिरिक्त प्रभार के रूप में राजकीय इंटर कॉलेज की पूरी जिम्मेदारी सौंपी गई। चार्ज ग्रहण करने के उपरांत जयवीर सिंह ने कहा कि वे कॉलेज को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि कॉलेज सुचारू रूप से चलता रहे, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने, उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने और समग्र विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शिक्षण कार्य को शासन की मंशा के अनुरूप और अधिक प्रभावी बनाने के लिए कड़े प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने शिक्षकों से भी सहयोग की अपील की और कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही संस्थान को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सकता है। जयवीर सिंह की इस नियुक्ति से कॉलेज में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। स्थानीय शिक्षण जगत और अभिभावकों ने इस बदलाव का स्वागत किया है। वे उम्मीद जताते हैं कि नए प्रधानाचार्य के नेतृत्व में पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज बेहतर शैक्षणिक परिणाम और अनुशासनपूर्ण वातावरण के लिए जाना जाएगा।

# IGRS रैंकिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पुलिस अधीक्षक ने IGRS कार्य कर रहे पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

**अमरोहा (सब का सपना):-** उत्तर प्रदेश सरकार की ऑनलाइन शिकायत निस्तारण प्रणाली जनसुनवाई पोर्टल (IGRS) पर प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में जनपद अमरोहा ने वर्ष 2026 में पांचवीं बार प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर कीर्तिमान स्थापित किया है। इस उपलब्धि पर बुधवार को पुलिस कार्यालय सभागार में पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की अध्यक्षता में गोष्ठी आयोजित की गई। इस दौरान उन्होंने आईजीआरएस के निस्तारण को और प्रभावी बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन का पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत हो।

गोष्ठी के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले आईजीआरएस शाखा एवं थाना स्तर पर आईजीआरएस कार्य कर रहे पुलिसकर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने सभी सम्मानित कर्मियों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इसी समर्पण एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जन शिकायतों का संवेदनशीलता से निस्तारण ही पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे इसी उत्तरदायित्व के साथ कार्य कर जनपद को पुलिसिंग में अग्रणी बनाए रखें।

# जेबीएफ की दीदी की दुकान महिला सशक्तिकरण में बनी मील का पत्थर

***यूनिसेफ ने अपनी वेबसाइट पर भी किया था लांच***

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** शिक्षा, समाजसेवा, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण, खेल आदि क्षेत्रों में जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन (जेबीएफ) मील का पत्थर साबित हो रही है। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से खोली गईं दीदी की दुकान तो इस कदर लोकप्रिय हो चुकी है कि यूनिसेफ ने इसे अपनी वेबसाइट पर भी लांच किया था। कई राज्यों में जेबीएफ अपनी जड़ें जमा रही है।

JUBILANT BHARTIA FOUNDATION

बता दें कि जुबिलेंट इंग्रेविया लिमिटेड की सीएसआर से जुड़ी जेबीएफ क्षेत्र में समाजसेवा के कई कार्यों को अंजाम दे रही है। गजरौला में सादुल्लापुर रोड पर जेबीएफ का मेडिकल सेंटर चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी अलग ही पहचान बनाए हुए है। स्थानीय नागरिकों, आसपास के गांवों के ग्रामीणों के साथ ही औद्योगिक नगरी में कई अन्य इकाइयों में कार्यरत लोग भी यहां सस्ती कीमत पर बेहतर उपचार एवं चिकित्सीय परामर्श को आते हैं। यहां कैंसर तक का विशेषज्ञ आमंत्रित चिकित्सक द्वारा दिया जाता है। इसके अलावा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में दीदी की दुकान अपना परचम लहरा रही है। जेबीएफ ने नगर एवं ब्लाक के कई स्कूल-कालेजों में एडू लैब भी स्थापित की हुई हैं। जहां कमजोर तबके के छात्र भी कंप्यूटर की शिक्षा ले रहे हैं। दिव्यांगों को ट्राई साइकिल आदि देकर उनकी सहायता भी जेबीएफ कर रही है।

जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित एवं जेबीएफ में सीएसआर से जुड़े विशाल गौरव ने बताया कि कंपनी का उद्देश्य जनता की सेवा एवं सामाजिक सरोकारों में बढ़चढ़कर अपनी हिस्सेदारी दर्ज कराना है।

# अमरोहा पुलिस का अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी

**अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद में यातायात व्यवस्था को सुचारु एवं सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से बुधवार को गजरौला चौपला पर यातायात प्रभारी द्वारा यातायात पुलिस टीम के साथ विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान हसनपुर रोड, बिजनौर रोड एवं दिल्ली रोड के दोनों ओर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। सड़क पर खड़े वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई तथा ठेला-पटरी संचालकों को सड़क पर अतिक्रमण न करने एवं निर्धारित स्थान पर ही अपना ठेला लगाने की हिदायत दी गई। अमरोहा पुलिस आमजन से अपील करती है कि यातायात नियमों का पालन करें तथा सड़क पर अतिक्रमण कर यातायात बाधित न करें।

# गजरौला में दो बाइकों की भिड़ंत,दो घायल,एक की हालत गंभीर,रेफर

**गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):-** जनपद के गजरौला कोतवाली क्षेत्र में दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में एक बाइक पर सवार दो लोग घायल हो गए, जिन्हें 108 एंबुलेंस की मदद से गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार दिया और एक की हालत गंभीर होते देख उसे रेफर कर दिया। बता दें कि पूरा मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव चकनवाला अड्डे का है जहां पर दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई इस टक्कर में एक बाइक पर सवार दो लोग घायल हो गए। टक्कर लगते ही मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ का जमावड़ा लग गया, भीड़ में शामिल लोगों ने इसकी सूचना 108 एंबुलेंस को दी। उधर सूचना पाकर 112 नंबर डायल पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिन्होंने तत्काल दोनों घायलों को एम्बुलेंस की मदद से गजरौला के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार दिया और उनमें से एक की हालत गंभीर होते देखा उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। इस सड़क हादसे में गांव चकनवाला निवासी महबूब पुत्र अमीन एवं फरमान पुत्र समीम दो लोग घायल हुए हैं। घटना की जानकारी देते हुए महबूब ने बताया कि हम दोनों गांव से चकन वालाअड्डा कुछ सामान खरीदने के लिए जा रहे थे जैसे ही हम चकनवाला पहुंचे तो एक सामने से आ रहे तेज रफ्तार बाइक सवार ने हमारी बाइक में टक्कर मार दी।

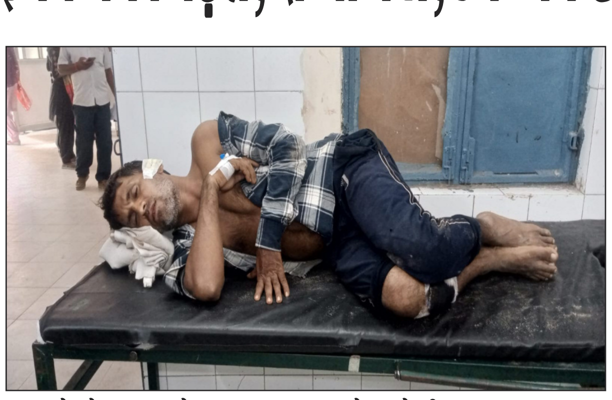

# परिवार परामर्श केंद्र में दो बिखरे परिवार फिर हुए एक, सात मामलों का हुआ निस्तारण

**चंदौसी/संभल(सब का सपना):-** जनपद के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) मनोज कुमार रावत एवं क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह के पर्यवेक्षण में संचालित पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक बुधवार को गौशाला रोड स्थित पिंक चौकी, चंदौसी में आयोजित की गई। बैठक का संचालन परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी एवं महिला थानाध्यक्ष डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में हुआ। इस दौरान पति-पत्नी के बीच चल रहे आपसी विवादों को बातचीत

और आपसी सहमति के आधार पर सुलझाने का प्रयास किया गया। काउंसलरों के सहयोग से दोनों पक्षों की बात सुनकर पारिवारिक रिश्तों को बचाने की दिशा में सकारात्मक पहल की गई। बैठक में कुल 26 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई। इनमें से सात मामलों का निस्तारण किया गया। विशेष रूप से दो परिवारों के बीच आपसी सुलह कराकर उन्हें साथ रहने के लिए राजी कराया गया। वहीं पांच पत्रावलियों को आवेदक द्वारा बल न देने तथा अन्य कारणों के चलते बंद कर दिया गया। शेष मामलों में अगली तिथि निर्धारित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर काउंसलर श्वेता गुप्ता, संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, उपनिरीक्षक महेश गंगवार, हेड कांस्टेबल मनोहर सिंह, रुचि सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं काउंसलर उपस्थित रहे।

# बिजली विभाग की मनमानी पर उपभोक्ता आयोग सख्त, ब्याज सहित राशि लौटाने के आदेश

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** जनपद के थाना बहजोई निवासी सुभाष चंद्र गुप्ता को गलत तरीके से जमा कराई गई बिजली विभाग की धनराशि वापस दिलाने के मामले में जिला उपभोक्ता आयोग, संभल ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। आयोग ने पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) एवं अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खंड चंदौसी को परिवादी से वसूले गए 4,951 सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने के आदेश दिए हैं। साथ ही मानसिक कष्ट एवं आर्थिक हानि के लिए 5,000 तथा वाद व्यय के रूप में 5,000 अलग से अदा करने का भी निर्देश दिया है।
परिवादी सुभाष चंद्र गुप्ता के अनुसार उनके नाम पर एक विद्युत कनेक्शन था, जिसे आवश्यकता समाप्त होने पर उन्होंने विभागीय नियमों के अनुसार सभी औपचारिकताएं पूरी कर विधिवत विच्छेदित करा दिया था। इसके बावजूद बिजली विभाग की ओर से उनके मोबाइल पर 4,951 जमा करने का संदेश भेजा

अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय

गया। विभागीय निर्देश मानते हुए उन्होंने उक्त राशि जमा कर दी।
राशि जमा करने के बाद सुभाष चंद्र गुप्ता ने विभागीय अधिकारियों से शिकायत करते हुए कहा कि जब उनका कनेक्शन पहले ही सभी औपचारिकताओं के साथ विच्छेदित हो चुका है तो अतिरिक्त धनराशि की मांग और वसूली अनुचित है। उन्होंने जमा की गई राशि वापस करने का अनुरोध किया, लेकिन विभाग ने उनकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की और धनराशि लौटाने से इंकार कर दिया। इसके बाद उन्होंने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय से संपर्क किया। अधिवक्ता की ओर से जिला उपभोक्ता आयोग, संभल में परिवाद दायर किया गया। आयोग द्वारा नोटिस जारी किए जाने पर विद्युत विभाग ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि परिवादी के नाम से किसी प्रकार का विद्युत बिल जारी कर धनराशि की मांग नहीं की गई थी। विभाग ने यह भी कहा कि यदि परिवादी प्रार्थना पत्र देगा तो उसका निस्तारण कर दिया जाएगा। इस पर परिवादी की ओर से अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय ने तर्क दिया कि जब विभाग यह स्वयं स्वीकार कर रहा है कि कोई विद्युत बिल जारी नहीं किया गया, तो फिर 4,951 किस आधार पर जमा कराए गए। इसलिए विभाग को अतिरिक्त वसूली गई पूरी धनराशि वापस करनी चाहिए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद जिला उपभोक्ता आयोग, संभल ने परिवादी के पक्ष में फैसला सुनाया। आयोग ने पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड एवं अधिशासी अभियंता, विद्युत वितरण खंड चंदौसी को आदेश दिया कि परिवादी से जमा कराई गई 4,951 की राशि 29 सितंबर 2025 से सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित दो माह के भीतर वापस की जाए।
इसके अलावा परिवादी को मानसिक कष्ट एवं आर्थिक हानि के लिए 5,000 तथा वाद व्यय के रूप में 5,000 भी दो माह के भीतर अदा किए जाएं।
आयोग ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित अवधि में आदेश का पालन नहीं किया गया तो देय राशि पर नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से भुगतान करना होगा।

# स्कूली वाहनों की फिटनेस जांची, मॉडिफाइड साइलेंसर लगी सात बुलेट का चालान

**चंदौसी/संभल(सब का सपना):-** जनपद के पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी यातायात एवं प्रभारी यातायात जगरोशन सिंह के नेतृत्व में बुधवार को चंदौसी में विशेष यातायात अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्कूली वाहनों की फिटनेस की जांच की गई और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। मुख्य आरक्षी सचिन कुमार ने बिना फिटनेस प्रमाणपत्र संचालित एक स्कूली वाहन का चालान किया। इसके अलावा कई अन्य स्कूली वाहनों की फिटनेस की जांच कर वाहन चालकों को सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।
यातायात पुलिस ने वाहन चालकों को हिदायत दी कि स्कूल वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को न बैठाया जाए, वाहन तेज गति से न चलाया जाए तथा प्रत्येक वाहन में फर्स्ट एड किट और अग्निशमन यंत्र अनिवार्य रूप से उपलब्ध रखा जाए। चालकों को बताया गया कि बच्चों की सुरक्षा उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है और यातायात नियमों का पालन कर ही सुरक्षित सफर सुनिश्चित किया जा सकता है। अभियान के दौरान मॉडिफाइड साइलेंसर लगी सात बुलेट मोटरसाइकिलों का भी चालान किया गया। वाहन स्वामियों को समझाया गया कि ऐसे साइलेंसर से निकलने वाला अत्यधिक शोर बुजुर्गों, बच्चों और आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बनता है। उन्हें भविष्य में मॉडिफाइड साइलेंसर का उपयोग न करने की चेतावनी देते हुए बताया गया कि यातायात नियमों के पालन को लेकर यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

# स्कूली बच्चों ने ली बाल विवाह रोकने की शपथ, संदिग्ध मामलों की सूचना देने का किया संकल्प

**संभल(सब का सपना):-** जनपद में बाल अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन' अभियान के तहत बुधवार को कंपोजिट विद्यालय शहवाजपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला प्रशासन और प्रयत्न संस्था के संयुक्त तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में बच्चों को बाल विवाह, बाल मजदूरी और बाल तस्करी जैसे गंभीर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं को बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए इसके खिलाफ आवाज उठाने का संकल्प दिलाया गया। बच्चों ने शपथ ली कि यदि उनके आसपास कहीं भी संदिग्ध बाल विवाह की जानकारी

मिलती है तो वे तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या पुलिस आपातकालीन सेवा 112 पर सूचना देकर उसे रोकने में सहयोग करेंगे।
प्रयत्न संस्था के प्रभारी गौरीशंकर चौधरी ने बच्चों को संबोधित करते हुए बाल अपराधों के विभिन्न स्वरूपों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2030 तक भारत को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाए। उन्होंने बच्चों को सामाजिक परिवर्तन का मजबूत माध्यम बताते हुए बाल विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ आगे आने और दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। फील्ड कोऑर्डिनेटर सिराज अहमद ने भी बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा और कानूनी संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही बाल अपराधों की रोकथाम का सबसे प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम में विद्यालय इंचार्ज मौ. जीशान, शिक्षक महा सिंह, सचिन कुमार, विजय पाल सिंह, फरमान हुसैन, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शगुफ्ता सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में सभी ने बाल अपराध मुक्त संभल बनाने तथा बाल विवाह, बाल मजदूरी और बाल तस्करी जैसी सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

# 12 जुलाई को बीएमबीएल जैन वर्ल्ड स्कूल में लगेगा नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर

***शिविर की तैयारियों को लेकर हुई अहम बैठक, विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम देगी परामर्श व नि:शुल्क उपचार***

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** बाबू मुकुट बिहारी लाल जैन सेवा न्यास की ओर से जनसेवा की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 12 जुलाई (रविवार) को बीएमबीएल जैन वर्ल्ड स्कूल, ग्राम नाधौस में निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलने वाले इस शिविर का आयोजन सिद्ध हॉस्पिटल, मुरादाबाद के सहयोग से किया जा रहा है। न्यास के पदाधिकारियों ने बताया कि शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा विभिन्न रोगों की जांच और परामर्श निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। सिद्ध हॉस्पिटल की आधुनिक मेडिकल वैन के माध्यम से एक्स-रे, लिपिड प्रोफाइल, तीन माह की औसत शुगर जांच (HbA1c), ब्लड प्रेशर (बीपी), बीएमआई सहित कई महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जांचें निःशुल्क

की जाएंगी। जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाइयों का भी निःशुल्क वितरण किया जाएगा। शिविर की तैयारियों को लेकर बीएमबीएल जैन वर्ल्ड स्कूल परिसर में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रचार-प्रसार, पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच, रिपोर्ट वितरण, दवा वितरण एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। बैठक में न्यास के सचिव नमन जैन, शिविर संयोजक संभव जैन तथा एडवोकेट अमन जैन ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिम्मेदारियां सौंपीं। बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. पवन कुमार जैन ने कहा कि न्यास का उद्देश्य निस्वार्थ भाव से मानव सेवा करना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना संस्था की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से सेवा और समर्पण की भावना के साथ शिविर को सफल बनाने का आह्वान किया।
बैठक में उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विशेष गुप्ता, विद्यालय के प्रधानाचार्य राजीव कुमार गुप्ता, उपप्रधानाचार्य गौरव कुमार मेधावृत, राहुल वार्ष्णेय एडवोकेट, लव कुमार आर्य, मनोज वार्ष्णेय, अतुल कुमार भोला, नागेश कुमार, कुशनंदन सिंह, नेत्रपाल सिंह, अक्षय राठौर सहित विद्यालय एवं न्यास के पदाधिकारी और समाजसेवी उपस्थित रहे।

# कृषि उद्यमी बनने का सुनहरा मौका, केनरा बैंक आरसेटी में नि:शुल्क आवेदन आमंत्रित

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) बहजोई द्वारा कृषि उद्यमी (एग्रीकल्चर एंटरप्रेन्योरशिप) प्रशिक्षण कार्यक्रम का नया बैच जल्द शुरू किया जाएगा। संस्थान ने कृषि क्षेत्र में अपना व्यवसाय स्थापित करने के इच्छुक शिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। संस्थान के अनुसार यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क होगा। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आधुनिक

कृषि तकनीकों, जैविक खेती, कृषि आधारित उद्योग, डेयरी, बागवानी, व्यवसाय प्रबंधन, विपणन, बैंक ऋण, सरकारी योजनाओं तथा सफल कृषि उद्यम स्थापित करने से संबंधित व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारी विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान अभ्यर्थियों को आवश्यक अध्ययन सामग्री, विशेषज्ञों का मार्गदर्शन तथा स्वरोजगार स्थापित करने के लिए परामर्श भी उपलब्ध कराया जाएगा,
जिससे वे प्रशिक्षण के बाद अपना व्यवसाय शुरू कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। संस्थान ने इच्छुक अभ्यर्थियों से समय रहते पंजीकरण कराने की अपील की है। अधिक जानकारी एवं आवेदन के लिए अभ्यर्थी केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। संस्थान ने बताया कि सीमित सीटों के कारण प्रवेश 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर दिया जाएगा।

# मरकजी मदरसा में आयोजित बैठक में हज यात्रियों से लिए गए सुझाव,आवेदन की अपील

**सम्भल(सब का सपना):-** मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम, तेल मंडी सम्भल में बुधवार को हज 2026 की समीक्षा एवं हज 2027 की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश हज कमेटी के सदस्य हाफिज एजाज अहमद शाहीन अंसारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार एवं वक्फ इंस्पेक्टर सम्भल भी मौजूद रहे। बैठक में राज्य अनुदानित मदरसों के प्रधानाचार्यों, सहायक अध्यापकों, कर्मचारियों तथा हज ट्रेनर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान हज 2026 की यात्रा पूरी कर लौटे हाजियों का फूल-मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। साथ ही उनसे यात्रा से जुड़े अनुभव, सुझाव एवं समस्याएं सुनी गईं। हाफिज एजाज अहमद शाहीन अंसारी ने कहा कि उत्तर प्रदेश हज कमेटी और भारत सरकार लगातार हाजियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने कहा कि हाजी अपने सुझाव लिखित रूप में उनके माध्यम से हज कमेटी तक भेज सकते हैं, ताकि भविष्य में व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जा सके। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार ने कहा कि हज यात्रियों एवं आवेदकों को जिला स्तर पर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर विभाग हरसंभव सहयोग करेगा। हज ट्रेनर तकी अशरफ एडवोकेट ने बताया कि हज 2027 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। वहीं हज ट्रेनर ख्वाजा कलीम अशरफ ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए हज ट्रेनर्स द्वारा वर्षभर किए जाने वाले कार्यों की जानकारी दी।
अब्दुल खालिक ने बताया कि यहां उत्तर प्रदेश हज कमेटी एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के सहयोग से हज ई-सुविधा केंद्र एवं हज ट्रेनिंग सेंटर संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन कारी वसी अशरफ ने किया। इस अवसर पर हाजी नदीम, मोहम्मद अहमद रजा सहित बड़ी संख्या में उलेमा, हज ट्रेनर्स, मदरसा प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा योजना का लाभ, मंत्री धर्मपाल सिंह ने वितरित किए प्रमाण पत्र

**बहजोई/संभल(सब का सपना):-** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा बुधवार को वाराणसी से बेसिक शिक्षा परिषद एवं सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों, शिक्षामित्रों, विशेष शिक्षकों, अनुदेशकों, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के वार्डन, पूर्णकालिक एवं अंशकालिक शिक्षकों तथा प्रधानमंत्री पोषण योजना के रसोइयों और उनके आश्रितों के लिए कैशलेस चिकित्सा योजना का शुभारंभ किया गया। साथ ही विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों के खातों में डीबीटी के माध्यम से धनराशि भी हस्तांतरित की गई। कार्यक्रम का जनपद संभल में कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई से लाइव प्रसारण देखा गया। जनपद स्तरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने की। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष हरेंद्र सिंह 'रिंकू', नगर पालिका परिषद बहजोई के चेयरमैन राजेश शंकर राजू, पूर्व राष्ट्रीय सफाई आयोग सदस्य मंजू दिलेर, भाजपा जिला मंत्री विशाल सिंह चौहान, जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मंत्री धर्मपाल सिंह ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के पांच तथा बेसिक शिक्षा विभाग के दस शिक्षक-शिक्षिकाओं, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों एवं रसोइयों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा के प्रतीकात्मक प्रमाण पत्र वितरित किए। अपने संबोधन में मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के विकास में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शिक्षक ही विद्यार्थियों को बेहतर, संस्कारयुक्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे सकता है। प्रदेश सरकार शिक्षकों के कल्याण के लिए लगातार निर्णय ले रही है और कैशलेस चिकित्सा सुविधा भी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।
उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे पूरी निष्ठा के साथ अपने विद्यालयों को उत्कृष्ट बनाने का प्रयास करें तथा बच्चों को आधुनिक तकनीक आधारित, संस्कारपूर्ण और राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत शिक्षा प्रदान करें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

# पुरैनी में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने स्कूटी सवार दो बुजुर्गों को रौंदा, मौके पर मौत

**बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद में बुधवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। धामपुर-नगीना राष्ट्रीय राजमार्ग पर पुरैनी स्थित पंजाब नेशनल बैंक के सामने तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने स्कूटी सवार दो बुजुर्गों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वरिष्ठ नागरिकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान विजयपाल सिंह (68 वर्ष) और महावीर सिंह (67 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों सेवानिवृत्त कर्मचारी थे तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सक्रिय स्वयंसेवक भी बताए जा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार दोनों पंजाब नेशनल बैंक से रुपये निकालकर स्कूटी से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान तेज गति से आ रही स्कॉर्पियो ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भयावह था कि दोनों को संभलने का कोई अवसर नहीं मिला और घटनास्थल पर ही उनकी मृत्यु हो गई। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन को घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर शवों का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फरार चालक की तलाश के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा विभिन्न बिंदुओं पर जांच की जा रही है। दोनों बुजुर्गों के निधन की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। क्षेत्र के लोगों और सामाजिक संगठनों ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दोषी चालक के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा फरार चालक को शीघ्र गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

# उ0प्र0 गौसेवा आयोग के सदस्य ने किया निरीक्षण व्यवस्था मिली संतोषजनक

**बिजनौर (सब का सपना):-** उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार बुधवार को पूर्वाह्न उ०प्र० गौसेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल ने नुमाइश ग्राउंड स्थित कान्हा गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने गौवंश को गुड़ खिलाकर उनका स्नेहपूर्वक पूजन एवं माल्यार्पण किया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में कुल 218 गौवंश संरक्षित पाए गए, जिनमें 24 नर एवं 194 मादा गौवंश शामिल हैं। निरीक्षण में 05 गौवंश अस्वस्थ, बीमार पाए गए। आयोग के सदस्य ने पशु चिकित्सकों को निर्देशित किया कि सभी बीमार पशुओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित किया जाए। उनके स्वास्थ्य की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा पूर्ण रूप से स्वस्थ होने तक आवश्यक दवाइयों एवं देखभाल में किसी प्रकार की कमी न रहने दी जाए। साथ ही गोशाला में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कर अन्य गोवंशों को भी बीमारियों से सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। सदस्य ने गौशाला में उपलब्ध व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान गौवंशों के लिए हरा चारा, भूसा एवं चोकर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध पाया गया, जिस पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया। गौशाला में केयर टेकर भी कार्यरत पाए गए जिस पर सदस्य ने निर्देश दिए कि सभी केयर टेकर गोवंशों की नियमित निगरानी करते हुए उनके खान-पान, साफ-सफाई एवं स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें, ताकि किसी भी पशु को समय पर आवश्यक देखभाल एवं उपचार उपलब्ध कराया जा सके। सुरक्षा की दृष्टि से लगाए गए सभी सीसीटीवी कैमरे सुचारु रूप से संचालित पाए गए। उन्होंने गौवंशों के पोषण को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से हरे चारे की उपलब्धता बढ़ाने तथा गौशाला में सुविधा अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के उपरांत सदस्य ने कहा कि गौवंशों की सेवा एवं संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गौशाला में स्वच्छता, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण तथा सभी व्यवस्थाओं को निरंतर उच्च गुणवत्ता के साथ बनाए रखने के निर्देश दिए। स अवसर पर अपर निदेशक प्रथम पशुपालक विभाग मुरादाबाद मंडल डॉ जगदीश प्रसाद, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ लोकेश कुमार अग्रवाल,डॉ सुधीर कुमार उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ अनुपम जैन सहित अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे गौरतलब है कि बिजनौर से मात्र दस किलोमीटर की दूरी पर बैराज रोड पर स्थित बदहाल गौशाला के निरीक्षण की जरुरत सदस्य गौ सेवा आयोग ने नही समझी जबकि यहाँ गौशाला में गौवंश काफी बुरी स्थिति में है यही हाल नगीना, नजीबाबाद, किरतपुर व चांदपुर क्षेत्र में है` जिला पशु चिकित्साधिकारी गौशालाओं के निरीक्षण में कागजी खानापूर्ति करने के लिए चर्चित है

# पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने की जनसुनवाई, थाना प्रभारियों को निर्देश, आने वाले फरियादियों की समस्या गंभीरता से सुने

**बिजनौर (सब का सपना):-** पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर लोगों की समस्या का निस्तारण किया और इसके साथ ही निर्देश दिया कि थाना प्रभारी थाने पर आने वाले फरियादियों की समस्या को गंभीरता से लेकर उसका निस्तारण करें। बताते चलें कि जनसमस्याओं को सुनने के दौरान थाना स्तरीय विवाद बड़े पैमाने पर सामने आए लिहाजा एसपी ने सख्त तेवर अपनाए हैं। जन शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने को लेकर बुधवार को पुलिस अधीक्षक ने अपने कार्यालय में जनसुनवाई किया। सुबह से शुरू हुई जन सुनवाई दोपहर तक चली। जनपद के अनेक क्षेत्रों से आने वाले लोगों ने एसपी के सामने अपनी समस्याओं को रखा। पुलिस अधीक्षक में संबंधित थानों से आने वाले लोगों की समस्याओं को सुना। कुछ मामलों में संबंधित को आदेशित कर तत्काल कार्रवाई करने को कहा। थाना प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कहा कि थाने पर किसी भी फरियादी के आने पर उसकी बातों को सुना जाए और तत्काल प्रार्थना पत्र लेकर उसे पर उचित कार्रवाई हो।

# खरीफ सीजन में कृषि विभाग का सख्त अभियान, कीटनाशक विक्रेताओं पर कसी नकेल

**सम्भल(सब का सपना):-** जनपद में खरीफ फसलों की बुवाई के दौरान किसानों को गुणवत्तापूर्ण कीटनाशक उपलब्ध कराने तथा नकली, अवैध और अधिक कीमत पर बेचे जा रहे कृषि रसायनों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कृषि विभाग ने बुधवार को जनपदभर में विशेष जांच अभियान चलाया। प्रमुख सचिव, उत्तर प्रदेश शासन के निदेर्शों के अनुपालन में गठित संयुक्त टीम ने कई प्रतिष्ठानों पर छापेमार कार्रवाई करते हुए कीटनाशकों की गुणवत्ता, उपलब्धता, स्टॉक रजिस्टर, बिक्री अभिलेख एवं मूल्य सूची की गहन जांच की। भियान के दौरान अधिकारियों ने जनपद की 20 कीटनाशक दुकानों का निरीक्षण किया। जांच में विभिन्न कंपनियों के 10 कीटनाशकों के नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए संग्रहित किए गए, जिन्हें प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि नमूने मानक के अनुरूप नहीं पाए गए तो संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान दो दुकानों पर अभिलेखों एवं नियमों के पालन में अनियमितताएं मिलने पर संबंधित दुकानदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। उनसे निर्धारित अवधि में स्पष्टीकरण मांगा गया है। संतोषजनक जवाब न मिलने पर उनके लाइसेंस निलंबित या निरस्त करने सहित अन्य वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि शासन का उद्देश्य किसानों को केवल प्रमाणित एवं गुणवत्तायुक्त कीटनाशक उपलब्ध कराना है। किसी भी स्थिति में कालाबाजारी, अवैध भंडारण, ओवररेटिंग अथवा नकली कीटनाशकों की बिक्री बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके लिए जनपद में संयुक्त टीम द्वारा लगातार निरीक्षण किए जाएंगे। अधिकारियों ने किसानों से भी अपील की कि वे केवल लाइसेंसधारी दुकानों से ही कीटनाशक खरीदें, खरीद का बिल अवश्य लें और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी, ओवररेटिंग या संदिग्ध कीटनाशक की जानकारी तत्काल कृषि विभाग को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

# जाति धर्म से ऊपर बिना भेदभाव के सभी का विकास कर रही है केन्द्र व प्रदेश सरकार:- लीना सिंघल

**बिजनौर (सब का सपना):-** जनपद के नजीबाबाद विधानसभा के भागूवाला मंडल के ग्राम मीरापुर बेगा में पूर्व प्रधान हरपाल सिंह के निवास स्थान पर आयोजित नुक्कड़ सभा में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भाजपा की पूर्व क्षेत्रीय मंत्री एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष लीना सिंघल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में उपस्थित सभी ग्राम वासियों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार और हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के सर्वश्रेष्ठ नेता और सरकार के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास की नीति पर कार्य करना है तथा बिना किसी जाति अथवा धर्म के भेदभाव के सबके लिए कार्य कर रहे हैं। लीना सिंघल ने कहा कि आज पूरा उत्तर प्रदेश बहन बेटियों के लिए और आम जनता के लिए पूरी तरह सुरक्षित है और गुंडाराज से मुक्त है पूरे प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में केवल विकास की बात हो रही है उत्तर प्रदेश की योगी सरकार केंद्र सरकार की नीतिया गरीब और कमजोरो के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के आधार पर सबका जीवन और सामाजिक स्तर ऊपर उठने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के सभा में पहुंचने पर पूर्व ग्राम प्रधान हरपाल सिंह तेजपाल सिंह सैनी और भाजपा बूथ अध्यक्ष यशपाल सैनी एवं मदनपाल सैनी रोहतास सैनी रघुवीर सिंह राजपाल सिंह आदि ने पटका पहनाकर और पुष्प गुच्छ देखकर स्वागत किया। इस अवसर पर देवराज सिंह सैनी राहुल सैनी सोमपाल धर्मपाल कोमल हल्दिया वीपी सिंह कपिल चौधरी विष्णु कुशवाहा अंजू सिंह सहित काफी बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे कार्यक्रम का सफल संचालन भारतीय जनता पार्टी के बूथ अध्यक्ष यशपाल सैनी ने किया।

# कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी गंगेश्वरी (अमरोहा)

**पत्रांक- 659** **दिनांक-08/07/2026**

वित्तिय वर्ष 2026–27 में कार्यदायी संस्था क्षेत्र पंचायत गंगेश्वरी के द्वारा 15वा/वित्त आयोग एंव पंचम वित्त आयोग योजना की धनराशि से कराये जाने वाले निर्माण कार्य हेतु लोक निर्माण विभाग/सिचाई विभाग/ग्रामीण अभियनत्रा विभाग/जिला पंचायत/अन्य केन्द्र व राज्य सरकार के कार्यदायी विभागों में पंजीकृत निविदाताओं से मैनुअल विधि के माध्यम से प्रतिशत के आधार पर निम्नलिखित कार्यो हेतु मौहरबन्द निविदायें दिनांक 14.07.2026 की दोपहर 12:00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। जो उसी दिन अपरान्ह में 4:00 बजे निवदादाताओं तथा निविदा खोलने के लिये अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में गठित समति के समक्ष खोली जायेगी। यदि उस दिनांक को सार्वजनिक अवकाश होता है, तो निविदा अगले कार्य दिवस में दोपहर 12:00 बजे खोली जायेगी। निविदा की आवश्यक शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न होगी। तथा निविदा प्रपत्र एंव आवश्यक शर्ते विज्ञापन की तिथि से दिनांक 14.07.2026 तक प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः 12:00 बजे से 4:00 बजे तक कार्यालय समय में खण्ड विकास अधिकारी गंगेश्वरी के आंकिक पटल से खरीदी जा सकती है, तथा नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है। निविदादाता किसी एक काग्र अथवा एक से अधिक कार्यो के लिये निवादा डाल सकता है। कार्यो का विवरण निम्नवत है।::–

| क0 सं0 | कार्य का नाम | अनुमानित लागत (लाख रू0) | धरोहर राशि (रू0) | टेडर की धनराशि (रू0) | कार्यपूर्ण करने की अवधि | निविदा की वैधता | योजना का नाम |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | ग्राम दमगढा में पंचायत भवन की और सी0सी0 निर्माण कार्य | 993400. | 20000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 2 | ग्राम काई मु0 में मैन चौराहे से राजीव जोशी के मकान की और सी0सी0 निर्माण कार्य | 819500.00 | 16500 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 3 | ग्राम काई मु0 में सुग्रीव जाटव के मकान से नेमपाल के प्लाट की और सी0सी0 निर्माण कार्य | 626500.00 | 13000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 4 | ग्राम देहरी गूर्जर में सामुदायिक शौचालय से खरखौदा मार्ग की और सी0सी0 निर्माण कार्य | 789300.00 | 16000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 5 | ग्राम देहरी गूर्जर में पिन्टू त्यागी के मकान से सामुदायिक शौचालय की और सी0सी0 निर्माण कार्य | 985000.00 | 20000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 6 | ग्राम पथरा में मोहर सिंह के मकान से लोचन सिंह के मकान की और सी0सी0 निर्माण कार्य | 901400.00 | 18000 | 826 | 03 माह | 03 माह | |
| 7 | ग्राम पथरा में काला डामर के खेत से जगदीश शर्मा के खेत की और खण्डजा निर्माण कार्य | 995700.00 | 20000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 8 | ग्राम पथरा मु0 में मोमराज के मकान से मुकन्दी के खेत की और खण्डजा निर्माण कार्य | 658200.00 | 13000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 9 | ग्राम शहबाजपुर गूर्जर में मेन रोड से हरि ओूम शर्मा से अमरीश शर्मा के मकान तक इ0लो0 निर्माण कार्य | 288300.00 | 6000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 10 | ग्राम तरौली में सतपाल सिंह के मकान से विजय के मकान की और सी0सी0 निर्माण कार्य | 361900.00 | 7000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 11 | विकास खण्ड परिसर में पशुचिकित्सालय से एन0आर0एल0एम कार्यालय तक सी0सी0 निर्माण कार्य | 839100.00 | 17000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 12 | ग्राम फत्तेहपुर अधैक में नन्हे के मकान से नहर की और खण्डजा निर्माण कार्य | 603600.00 | 12000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 13 | ग्राम बरतौरा में रामवीर के मकान से बाई पास टंकी की और खण्डजा निर्माण कार्य | 988600.00 | 20000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 14 | ग्राम ढबारसी में अनूप के मकान से प्रमोद के मकान की और सी0सी0 व नाली निर्माण कार्य | 99540.00 | 20000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 15 | ग्राम सिरसा गर्जूर में विजेन्द्र के मकान से महेष के मकान की ओर सी0सी0 निर्माण कार्य | 947900.00 | 20000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 16 | ग्राम शीतला सराय में कल्लू के मकान से राजबहादूर के मकान की और सी0सी0 निर्माण कार्य | 996000.00 | 20000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 17 | विकास खण्ड गंगेश्वरी में गूरैठा गौ।शाला में भूसा गोदम का निर्माण कार्य | 988000.00 | 20000 | 826 | 03 माह | 03 माह | |
| 18 | ग्राम मछरिया में यामीन के मकान से माजिद के मकान तक आर0सी0सी0 नाला व सिल्ट चैम्बर/फिल्टर चैम्बर का निर्माण | 984200.00 | 20000 | 826 | 03 माह | 03 माह | 15वॉ वित्त आयोग |
| 19 | ग्राम रहरा/श्यामगढी में विनोद के खेत से खेम सिंह के खेत तक खण्डजा निर्माण कार्य | 984200.00 | 20000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 20 | ग्राम देहरी खादर में तालाब से बगद नही की और सी0सी0 व नाला निर्माण व सिल्ट चैम्बर/सिल्ट फिल्टर का निर्माण कार्य | 336600.00 | 7000 | 826 | 03 माह | 03 माह | 15वॉ वित्त आयोग |
| 21 | ग्राम कसाईपुरा में महेन्द्र सिंह के मकान से गोपाल सिंह के मकान की और सी0सी0 निर्माण कार्य | 995600.00 | 20000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |
| 22 | ग्राम आदमपुर में शिव मन्दिर से मजिद की और सी0सी0 निर्माण कार्य | 992900.00 | 20000 | 826 | 03 माह | 03 माह | पंचम राज्य वित्त आयोग |

**नोट-: निविदा अमंत्रणकर्ता को आई0टी0बी0 के कलोज के अनुसार शुद्व पत्र जारी करने का अधिकार होगा तथा अधोहस्ताक्षरी में निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सुरिक्षत होगा।**

खण्ड विकास अधिकारी
गंगेश्वरी (अमरोहा)

## उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या बढी

**बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):–** क्षेत्र में मौसम की उलट फेर को लेकर उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। भयंकर गर्मी के चलते अचानक हुई तेज बरसात के चलते अचानक उल्टी-दस्त के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। डाक्टर संतोष चौहान का कहना है कि कई दिनों से भयंकर गर्मी पड रही थी। मंगलवार को अचानक हुई तेज बरसात ने उल्टी दस्त के मरीजों की संख्या बढा दी। उन्होंने मरीजों को सलाह दी है कि ठंडा पीना बंद करें क्योंकि ठंडा पीने से शरीर में बिमारियों पैदा होती है। भयंकर गर्मी से एक साथ ठंडा मौसम होना भी बिमारियों को बढ़ावा देता है।ठंडा पीने से लाभ शरीर में खांसी जुखाम जैसी बिमारियां जन्म लेती है जिससे मानव के शरीर में अनेक बिमारियां जन्म लेती है, जिसके कारण मानव बिमारियों में जकड जाता है।बदलते मौसम मौसम खान-पान में भी सावधानियां बरतनी चाहिए।

## जलभराव पर सख्त हुई ईओ, सड़कों से पानी निकासी के दिए निर्देश

**शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):–** नगर पालिका परिषद की अधिशासी अधिकारी नीतू सिंह ने बुधवार को मोहल्ला लाल दरवाजा में बरसात के कारण हुए जलभराव का निरीक्षण किया। उन्होंने सफाई प्रभारी जामिन अली व सफाई नायकों को तत्काल जल निकासी कराने तथा नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ईओ ने कहा कि बरसात के दौरान स्वच्छता व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही नागरिकों से अपील की कि नालियों में कूड़ा-करकट व प्लास्टिक न डालें, ताकि जल निकासी बाधित न हो और जलभराव की समस्या से बचा जा

## बुलंदशहर आगमन पर भारी बारिश में कांग्रेस प्रभारी राजेंद्रपाल गौतम का किया गया भव्य स्वागत

**बुलन्दशहर (सब का सपना):–** उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी राजेंद्रपाल गौतम और राष्ट्रीय सचिव एवं सह-प्रभारी प्रदीप नरवाल का बुलंदशहर आगमन पर भारी बारिश के बावजूद कांग्रेस कार्यकताओं ने जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान के नेतृत्व में सिकंदराबाद टोल से खुर्जा तक कई स्थानों पर जोरदार स्वागत किया। नेताओं ने डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा कार्यकताओं से 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। इस दौरान राजेंद्रपाल गौतम ने राममंदिर चोरी प्रकरण को लेकर भाजपा और आरएसएस पर आरोप लगाए तथा कहा कि कांग्रेस जनता के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखेगी। वहीं प्रदीप नरवाल ने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। जिलाध्यक्ष जियाउर्रहमान ने कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए जनहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखने की बात कही।

## दो बोलेरो पिकअप से 22 भैंसें बरामद, चार पशु तस्कर गिरफ्तार

**जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):-** जहांगीराबाद पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए दो बोलेरो मैक्स पिकअप वाहनों से कुल 22 भैंसें बरामद कर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। हल्का इंचार्ज इंद्रेश विक्रम सिंह ने आरोपितों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वाहनों को कब्जे में ले लिया है। उधर, घटना की सूचना पर हिंदूवादी संगठनों के कुछ लोग भी कोतवाली पहुंचे, जहां पुलिस ने कार्रवाई का पूरा आश्वासन दिया। पुलिस के अनुसार 7 जुलाई की शाम करीब 4:40 बजे गहना-गोवर्धनपुर मार्ग पर चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध बोलेरो मैक्स पिकअप वाहनों को रोका गया, तलाशी लेने पर पहले वाहन में 10 भैंसें मिलीं, जिनमें एक मृत थी, जबकि दूसरे वाहन से 12 भैंसें बरामद हुईं, जिनमें दो मृत थीं। सभी भैंसों को अत्यधिक ठूंस-ठूंसकर भरा गया था, उनके मुंह रस्सियों से कसकर बांधे गए थे और कई भैंसें आपस में रगड़ खाने के कारण घायल अवस्था में थीं तथा सांस लेने में भी परेशानी हो रही थी। पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि भैंसों को अलग-अलग स्थानों से चोरी कर लाया गया था, पुलिस ने जब भैंसों के संबंध में दस्तावेज मांगे तो आरोपितों ने दो बिल प्रस्तुत किए, लेकिन जांच में दोनों बिल फर्जी पाए गए, बिलों पर न तो किसी प्रकार का पंजीकरण या जीएसटी नंबर अंकित था और न ही मोबाइल नंबर दर्ज था। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान शाद पुत्र फिजर निवासी जलीलपुर, जहांगीराबाद, माहरूफ पुत्र कल्लू एवं शारिक पुत्र भूरा निवासी गांव गोंडला चकली संभल तथा असरफ पुत्र अल्ला दिया निवासी जलीलपुर के रूप में हुई है। इंस्पेक्टर सुदेश कुमार ने बताया कि चारों आरोपितों के विरुद्ध बीएनएस की धारा तथा पशु क्रूरता अधिनियम की धारा 11 के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया जा रहा हैं।

## अच्छा नागरिक बनना पहली प्राथमिकता : डॉ आशीष शर्मा

**शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):–** सरस्वती विद्या मंदिर कन्या इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान डॉक्टर आशीष कुमार ने छात्राओं को अच्छा नागरिक बनने की और अग्रसर होने की बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि वह अपने माता-पिता की कही गई बातों का सम्मान करते हुए पालन करें और उनका किसी प्रकार से मन ना दुखाएं। इस दौरान छात्राओं द्वारा रोगियों की सेवा करते हुए उन्हें फल और बिस्किट प्रदान किए गए। बुधवार को छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के उद्देश्य के तहत स्वास्थ्य सेवाओं से परिचित होने के साथ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की कार्य प्रणाली को समझना था। छात्राओं ने भ्रमण के दौरान डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्यकर्मियों और रोगियों को निकट से जाना। आरवी, भावना, वर्षा, छाया, शिप्रा, कनक, निशा एवं अल्शिफा ने नर्स की भूमिका में मरीजों की सेवा की। छात्राओं के साथ प्रबंधक अनिल मित्तल, प्रधानाचार्या निशा गुप्ता तथा कॉर्डिनेटर निधि गुप्ता साथ रहे।

# भाजपा अग्रसेन मंडल की मासिक बैठक में संगठन विस्तार की रणनीति तैयार

**बुलन्दशहर (सब का सपना):–** भाजपा अग्रसेन मंडल की मासिक बैठक मंडल अध्यक्ष बिल्लू पंडित की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा, बूथ सशक्तिकरण और कार्यकताओं की सक्रिय भागीदारी पर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता मंडल प्रभारी शंभू सिंह राघव ने कहा कि सशक्त बूथ ही सशक्त संगठन की पहचान है। वरिष्ठ भाजपा नेता जयप्रकाश शर्मा ने जनसंपर्क और कार्यकताओं के समर्पण को संगठन की सबसे बड़ी ताकत बताया। जिला मीडिया प्रभारी अभिनव वर्मा ने कहा कि भाजपा के अभियान राष्ट्र निर्माण और जनसेवा के लिए समर्पित हैं तथा प्रत्येक बूथ तक संगठन को मजबूत किया जाएगा।

बैठक में मंडल महामंत्री हिमांशु तोमर, एडवोकेट मोहित सक्सेना, आकाश पंडित, प्रतीक शर्मा, तरुण पालीवाल, अनूप शर्मा, सचिन राठौर, सुभाष गिहरा, श्रवण कुमार, मोहित मकवाना सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के बाद जयप्रकाश शर्मा एवं आकाश शर्मा का जन्मदिन भी मनाकर शुभकामनाएं दी गईं।

## जिला अस्पताल में विचाराधीन बंदी की मौत

**बुलन्दशहर (सब का सपना):–** जनपद के डिबाई थाना क्षेत्र के आर्म्स एक्ट के मुकदमे में निरुद्ध विचाराधीन बंदी प्रशांत (25) पुत्र मुरारीलाल, निवासी ग्राम बेड़ा, थाना नूरपुर, जनपद बिजनौर की बुधवार सुबह उपचार के दौरान मौत हो गई। सांस लेने में तकलीफ और अचानक बेहोशी की शिकायत पर जेल चिकित्साधिकारी के परामर्श से उसे जिला चिकित्सालय भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने सुबह 7:15 बजे मृत घोषित कर दिया। मामले में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है तथा रिपोर्ट का इंतजार है।

## शिक्षकों को मिले कैशलेस हेल्थ कार्ड, 1.55 लाख छात्रों के अभिभावकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी गई धनराशी

**बुलन्दशहर (सब का सपना):–** कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री की जनकल्याणकारी योजनाओं के शुभारंभ का जनपद स्तरीय कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के लाइव प्रसारण के साथ शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत हेल्थ कार्ड वितरित किए गए तथा परिषदीय विद्यालयों के 1,55,188 छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के खातों में डीबीटी के माध्यम से ₹1200 की धनराशि भेजी गई। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान, सांसद डॉ. भोला सिंह, विधायक लक्ष्मीराज सिंह, सीडीओ निशा ग्रेवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान बेसिक शिक्षा विभाग और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बीच एमओयू भी हुआ। जनपद के 14,632 शिक्षा कर्मियों एवं संविदा कर्मियों को कैशलेस चिकित्सा योजना का लाभ मिलेगा।

## भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

**बुलन्दशहर (सब का सपना):–** भारतीय किसान यूनियन (अराजनीतिक) के जिला संरक्षक चौधरी कुलदीप गुड्डू के नेतृत्व में किसानों एवं मातृशक्ति के प्रतिनिधि जिलाधिकारी कार्यालय में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) से मुलाकात कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इसके बाद मुख्य विकास अधिकारी सुश्री निशा ग्रेवाल, जिला कृषि अधिकारी रामकुमार यादव एवं सहायक आयुक्त निबंध हर्ष कुमार से भी विभिन्न किसान समस्याओं पर चर्चा की। ज्ञापन में ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे से प्रभावित प्रत्येक गाटा धारक को ₹5.50 लाख देने, अंडरपास, सर्विस रोड, लिंक मार्ग, अघोषित बिजली कटौती पर रोक, ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि, यूरिया-डीएपी वितरण में पारदर्शिता, फार्मर रजिस्ट्री, खतौनी त्रुटियों के समाधान एवं शिकारपुर-जहांगीराबाद मार्ग का निर्माण शीघ्र पूरा कराने सहित कई मांगें उठाई गईं। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि जनपद में 2600 एमटी यूरिया की रेक पहुंच चुकी है तथा 2600 एमटी डीएपी की रेक गुरुवार तक पहुंच जाएगी। अधिकारियों ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

# धनौरा क्षेत्र के किसानों ने क्षेत्र में हो रही अवैध पैमाइश को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

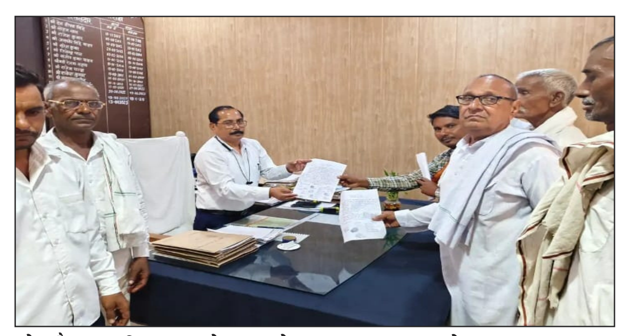

**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):–** जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र के दर्जनों किसानों ने बुधवार को उनके क्षेत्र में हो रही अवैध पैमाइश को लेकर तहसील परिसर पहुंचकर एक ज्ञापन तहसीलदार मूसाराम थारू को सौंपा। इस दौरान उन्होंने तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन भी किया। ग्रामीणों का कहना है कि पड़ोसी गांव में चल रही चकबंदी की आड़ में लेखपाल उनके खेतों पर अवैध रूप से पैमाइश कर चकबंदी कर रहे हैं। जिससे क्षेत्र के लोगों में भ्रम और तनाव की स्थिति बनी हुई है। बता दें कि तहसीलदार को सौंपे गए ज्ञापनों में ग्राम चकनवाला निवासी घेतेराम, जयवीर, ओमवीर, होतेराम तथा ग्राम शीशोवाली के नरेश, परवीन, महेंद्र सिंह सहित कई किसानों ने बताया कि उनकी कृषि भूमि ग्राम धलैण्डा ऐ० और शीशोवाली मजरा चकनवाला में स्थित है। उन्होंने आरोप लगाया कि मीरापुर ऐ० के चकबंदी लेखपाल अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर उनके गांवों की जमीनों को नाप रहे हैं और चक काट रहे हैं, जबकि यह क्षेत्र उनके कार्यक्षेत्र में नहीं आता।किसानों ने बताया कि लेखपाल की इस मनमानी से उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है और मौके पर विवाद की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों ने मांग की है कि किसी भी पैमाइश से पहले दोनों गांवों के हल्का लेखपाल और मीरापुर के चकबंदी लेखपाल को संयुक्त रूप से मौके पर भेजा जाए। उनकी उपस्थिति में दोनों गांवों की सीमाओं का सही सीमांकन कराकर पक्के पत्थर लगवाए जाएं, ताकि भविष्य में कोई विवाद न हो।तहसीलदार मूसा राम थारू ने ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से सुना।

उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इस दौरान इंद्रपाल, कलुआ, नरेंद्र, विजय, कौशिंदर, धर्म सिंह, हरपाल सिंह, अजयपाल, चंद्रपाल सिंह और जयचंद सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

## रहरा सीएचसी का जॉन डायरेक्टर ने किया औचक निरीक्षण, प्रसव कक्ष में मिली गंदगी

**रहरा/अमरोहा (सब का सपना) समरपाल सिंह:–** रहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का बुधवार को मुरादाबाद मंडल के जॉन डायरेक्टर डॉ. देवी दास ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एंटी रेबीज, एंटी स्नेक सहित सभी आवश्यक दवाइयों के स्टॉक की जांच की। दवाओं का स्टॉक पर्याप्त पाया गया। उन्होंने स्टाफ को निर्देश दिए कि सीएचसी में सभी प्रकार की दवाइयों का स्टॉक पर्याप्त मात्रा में रखा जाए ताकि मरीजों को समय पर उपचार मिल सके और किसी को परेशानी न हो। जॉन डायरेक्टर ने वायरल संक्रमण की संभावना को देखते हुए स्टाफ को सचेत रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियमित टीकाकरण हो और नवजात बच्चों को जीरो डोज अवश्य लगाई जाए। स्टाफ उपस्थिति चेक करने पर उन्हें फार्मासिस्ट की कमी नजर आई। इस पर उन्होंने कहा कि सीएमओ से बात कर फार्मासिस्ट की कमी जल्द पूरी की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अग्निशमन यंत्र की वैधता भी देखी जो सही पाई गई। इसके बाद महिला प्रसव कक्ष की साफ-सफाई का जायजा लिया। प्रसव कक्ष में काफी गंदगी और दुर्गंध मिली। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताते हुए महिला सफाई कर्मचारी अमीषा को फटकार लगाई। अमीषा ने बताया कि अकाउंटेंट शोभित शर्मा उसे सफाई के लिए फिनायल उपलब्ध नहीं कराते, जिसके कारण समय-समय पर पोछा नहीं लग पाता। अब देखना होगा कि जॉन डायरेक्टर के निरीक्षण के बाद प्रसव कक्ष की साफ-सफाई में सुधार होता है या स्थिति पूर्ववत रहती है।

# हर-हर महादेव के जयघोष के बीच कैलाश मानसरोवर यात्रा के दूसरे दल को दी गई विदाई

**चंदौसी/सम्भल (सब का सपना):–** कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिपुलेख मार्ग के द्वितीय दल को बुधवार सुबह गाजियाबाद स्थित कैलाश मानसरोवर भवन से विधिवत रवाना किया गया। लगभग 47 श्रद्धालुओं के इस दल को वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-पूजन और भगवान शिव की आराधना के बाद हर-हर महादेव के जयघोष के बीच विदाई दी गई। यात्रा प्रारंभ होने से पहले आयोजित पूजन कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद लाइजन ऑफिसर्स (एलओ) ने यात्रियों को यात्रा से संबंधित आवश्यक जानकारी देते हुए भरोसा दिलाया कि पूरी यात्रा के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। इस दल में चंदौसी के तुषार वार्ष्णेय सबसे कम आयु के यात्री के रूप में शामिल हैं। उन्होंने कैलाश मानसरोवर यात्रा का अवसर मिलने को भगवान भोलेनाथ की विशेष कृपा बताया। उन्होंने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य है और कैलाश मानसरोवर पहुंचकर वे अपने नगर चंदौसी, देश तथा समस्त विश्व की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण के लिए भगवान शिव से प्रार्थना करेंगे। तुषार वार्ष्णेय ने यात्रा से पूर्व उन्हें शुभकामनाएं देने वाले सभी नगरवासियों, मित्रों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त करते हुए महादेव की कृपा से सकुशल यात्रा पूरी कर शीघ्र लौटने की कामना की। यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किए जाने के दौरान अनेक अतिथि, प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। सभी ने यात्रियों का तिलक कर, पुष्पवर्षा के साथ स्वागत किया और हर-हर महादेव के जयघोष के बीच शुभ यात्रा की मंगलकामनाएं दीं।

## 2008 दिल्ली सीरियल ब्लास्ट केस: 17 साल से जेल में बंद आईएम ऑपरेटिव मंसूर की जमानत याचिका खारिज

**नई दिल्ली।** दिल्ली हाई कोर्ट ने वर्ष 2008 के दिल्ली सीरियल बम धमाकों के मामले में 17 वर्षों से जेल में बंद इंडियन मुजाहिदीन (आइएम) आपरेटिव मंसूर असगर पीरभाय की जमानत याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह और न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने कहा कि आरोपित लंबे समय से विचाराधीन कैदी है, लेकिन उसकी रिहाई से मुकदमे की सुनवाई प्रभावित होने और आम नागरिकों की सुरक्षा पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। आईएम के मीडिया सेल से जुड़ा था आतंकी अदालत ने ट्रायल कोर्ट के 19 जुलाई 2025 के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि मामले में अभी दो गवाहों की जिरह पूरी होनी बाकी है। हालांकि ट्रायल कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट के 30 अप्रैल के निर्देश के अनुरूप आठ माह के भीतर सुनवाई पूरी करने को कहा गया है। हाई कोर्ट ने 61 पन्नों के फैसले में कहा कि प्रथमदृष्टया पीरभाय प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन के मीडिया सेल का प्रमुख था और धमाकों से कुछ मिनट पहले संगठन की ओर से जिम्मेदारी लेने वाला ई-मेल भेजने में उसकी केंद्रीय भूमिका थी। 26 लोगों की हुई थी मौत अदालत ने कहा कि इस तरह के सिलसिलेवार धमाकों के लिए जिस स्तर की तकनीकी योजना, समन्वय और रीयल-टाइम संचार की आवश्यकता थी, उसमें आरोपित की भूमिका महत्वपूर्ण प्रतीत होती है। 13 सितंबर 2008 को करोल बाग, कनाट प्लेस और ग्रेटर कैलाश में हुए सिलसिलेवार धमाकों में 26 लोगों की मौत हुई थी और 135 लोग घायल हुए थे। अदालत ने कहा कि रिकार्ड पर उपलब्ध सामग्री के आधार पर इस स्तर पर यह नहीं कहा जा सकता कि आरोपित दोषी नहीं है। वहीं, आरोपित ने दावा किया कि उसे झूठा फंसाया गया है और वह करीब 17 वर्षों से विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में है।

# धनौरा क्षेत्र में गंगा नदी में पलटी ट्रेक्टर-ट्राली, लोगों ने कूदकर बचाई जान, बड़ा हादसा टला

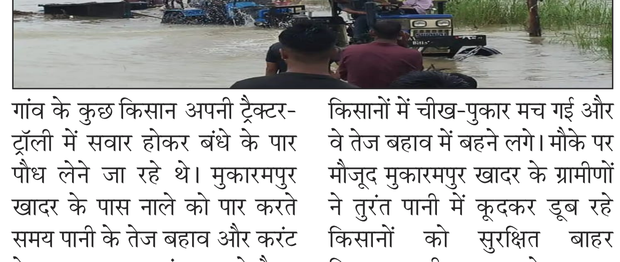

**धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):–** जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र के गांव मुकरामपुर खादर के निकट स्थित गंगा नदी में पानी के तेज बहाव और उफान के कारण उसमें से गुजर रहे एक ट्रैक्टर ट्रॉली गंगा नदी में पलट गए। इस दौरान ट्रैक्टर ट्राली में सवार लोगों ने बमुश्किल कूद कर अपनी जान बचाई वरना एक बड़ा हादसा भी हो सकता था। बताया जा रहा है कि यह हादसा ट्रैक्टर में संचालित करंट एवं पानी के तेज बहाव के कारण हुआ जिससे ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर गहराई में चला गया। बता दें कि यह घटना बुधवार को हुई, जब लाड़नपुर गांव के कुछ किसान अपनी ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर बंधे के पार पौध लेने जा रहे थे। मुकारमपुर खादर के पास नाले को पार करते समय पानी के तेज बहाव और करंट के कारण चालक संतुलन खो बैठा, जिससे ट्रैक्टर-ट्रॉली गहरे पानी में अनियंत्रित होकर पलट गई।ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटते ही उस पर सवार किसानों में चीख-पुकार मच गई और वे तेज बहाव में बहने लगे। मौके पर मौजूद मुकारमपुर खादर के ग्रामीणों ने तुरंत पानी में कूदकर डूब रहे किसानों को सुरक्षित बाहर निकाला।ग्रामीण अरुण ने सूझबूझ दिखाते हुए अपना ट्रैक्टर मंगवाया। भारी मशक्कत के बाद पानी में डूबी ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।इस साहसिक बचाव कार्य में अरुण, शेर सिंह, जगजीवन, मोंटी, आनंद, उमेश, हेम सिंह, मोनी, दीक्षांत और प्रशांत जाटव सहित कई ग्रामीणों ने सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं, डिप्टी रेंजर मनोज चौधरी ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है।ग्रामीणों की त्वरित बहादुरी के कारण एक बड़ा हादसा टल गया और सभी किसानों की जान सुरक्षित बच गई। स्थानीय प्रशासन ने खादर क्षेत्र के लोगों से उफनते नालों और गंगा के बढ़ते जलस्तर के प्रति सतर्क रहने की अपील की है।

# मधुमेह है डायबिटिक रेटिनोपैथी का मुख्य कारण

जीवनशैली से जुड़ी कई बीमारियां हमें अपनी चपेट में ले रही है। मधुमेह भी ऐसी ही एक बीमारी है, जो लोगों को अपने शिकंजे में ले रही है। हमारे हृदय और लीवर को मधुमेह के कारण कितना नुकसान पहुंचता है, यह तो हम अच्छी तरह जानते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि हमारी आंखों की रोशनी के लिए भी कि मधुमेह उतना ही नुकसानदायक है। मधुमेह होने कि वजह से आंखों का एक गंभीर रोग पैदा हो सकता है, जिसे चिकत्सकों की भाषा में डायबिटिक रेटिनोपैथी कहा जाता है। डायबिटिक रेटिनोपैथी होने से अगर आंखों की दृष्टि चली गई तो उसे वापस नहीं लाया जा सकता है।

## ऐसे होती है डायबिटिक रेटिनोपैथी

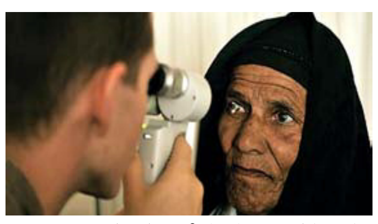

नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन के अनुसार डायबिटिक रेटिनोपैथी एक हल्की बीमारी के रूप में शुरू होती है। बीमारी के शुरुआती चरण के दौरान रेटिना में छोटी रक्त वाहिकाएं कमजोर हो जाती हैं और यह छोटे बुल्गेस को विकसित करती है जिसे माइक्रोएनिअरीसम्स कहते है। इस बीमारी में रक्त में शुगर की मात्रा अधिक हो जाती है, जो आंखों सहित पूरे शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। रक्त में मधुमेह अधिक बढ़ने से रेटिना में रक्त वाहिकाओं को नुकसान होता है, जिसके कारण डायबिटिक रेटिनोपैथी हो सकती है। इस बीमारी से रेटिना के ऊतकों में सूजन हो सकती है, जिससे दृष्टि धुंधली होती है। जिस व्यक्ति को लंबे समय से मधुमेह होता है, उसे डायबिटिक रेटिनोपैथी होने की संभावना उतनी ही अधिक हो जाती है। इतन ही नहीं डायबिटिक रेटिनोपैथी का इलाज नहीं कराने पर यह अंधेपन का कारण भी बन सकती है।

### डायबिटिक रेटिनोपैथी के लक्षण

- आंखों का बार-बार संक्रमित होना।
- चश्मे के नंबर बार-बार बदलना।
- सुबह उठने के बाद कम दिखाई देना।
- सिर में हमेशा दर्द रहना।
- आंखों की रोशनी अचानक कम हो जाना।
- रंग को पहचानने में कठिनाई।

### डायबिटिक रेटिनोपैथी का उपचार

डायबिटिक रेटिनोपैथी के रोगियों का इलाज कैसे किया जा सकता है, इस पर नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव जैन कहते हैं कि समस्या से निजात पाने के लिए लेजर उपचार का प्रयोग किया जाता है, इस उपचार विधि के दौरान रेटिना के पीछे की नई रक्त वाहिकाओं के विकास के इलाज के लिए और आंखों में रक्त और द्रव के रिसाव को रोकने के लिए किया जाता है। इलाज प्रक्रिया के दौरान आंखों को सुन्न करने और पुतलियों को बड़ा करने के लिए विशेष रूप की आई ड्रॉप डाली जाती है, इसके बाद आंखों का लेजर किरणों से इलाज किया जाता है। इलाज के दौरान लगभग 30.40 मिनट लगते हैं। इसमें आम तौर पर दृष्टि का धुंधला होना और प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता का बढ़ जाना जैसे कुछ दुष्प्रभाव हो सकते हैं। **इंजेक्शन से उपचार**: डायबिटिक रेटिनोपैथी से निजात पाने के दूसरे तरीके में आंखों में इंफ्लामेशन को कम करने या आंखों के पीछे नयी रक्त वाहिकाओं को बनने से रोकने के लिए आंखों में ल्यूसेंटिस, अवास्टिन जैसे इंजेक्शन लगाए जाते है। इंजेक्शन आम तौर पर एक महीने में एक बार लगाया जाता है और एक बार जब दृष्टि स्थिर हो जाती है तो इंजेक्शन लगाना बंद कर दिया जाता है। इलाज की इस विधि में जलन या बेचैनी आंखों के अंदर रक्तस्राव आंखों में खुजली, आंखों में कुछ तैरने या आंखों में कुछ होने का अहसास हो सकता हैं। **सर्जरी से उपचार**: लेजर और इंजेक्शन उपचकर की विधि से जब इलाज संभव नहीं होता है तो विट्रेक्टॅमी नामक सर्जरी से इलाज किया जाता है, जो इसके इलाज के लिए एक कारगर तरीका है।

### डायबिटिक रेटिनोपैथी से ऐसे करें बचाव

आंखों पर मधुमेह के अधिक बढ़ने से प्रभाव शुरू हो जाता है, इसलिए इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका है कि मधुमेह का पता लगते ही ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को बढ़ने से रोकें। इसके लिए डॉक्टर के बताए नुस्खों का पालन करें और दवाएं लेते रहें। इसके अलावा डायबिटीज होने पर आपको साल में एक-दो बार आंखों की जांच करानी चाहिए, जिससे आंखों पर अगर किसी तरह का प्रभाव शुरू हो जाए, तो उसका समय पर इलाज किया जा सके। आपको अगर डायबिटीज बहुत समय से हैं तो आपको हर 3 महीने में आंखों की जांच करानी चाहिए।

## रेसिपी

### वेजिटेबल फिंगर्स

**सामग्री**

- अरहर दाल: 1 कप ■ लाल मिर्च- 2
- छोटा प्याज (छिला हुआ): 1 कप
- कटे हुए टमाटर: 2
- इमली का गूदा: 4 चम्मच
- सांबर पाउडर- 1 चम्मच
- नमक: स्वा के अनुसार ■ सरसों: 1 चम्मच
- हींग: चुटकी भर ■ करी पत्ता: 6
- बारीक कटी धनिया पत्ती: 4 चम्मच

**विधि**

अरहर दाल को धोकर दस मिनट के लिए भिगो दें। दाल को कुकर में दो कप पानी के साथ डालें और तीन से चार सीटी लगाएं। जब दाल पक जाए तो उसे अच्छी तरह से मैश कर दें। अब कुकर में टमाटर, इमली का गूदा, सांबर पाउडर, नमक और एक चौथाई कप पानी डालें। कुकर बंद करके दो सीटी लगाएं। अब दाल और इमली के मिश्रण को एक बड़े पैन में डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। एक छोटे पैन में एक चम्मच तेल गर्म करें और छौंक की सभी सामग्री डालें। एक मिनट बाद इस छौंक को तैयार सांबर में डाल दें। अब सांबर वाले पैन को गैस पर चढ़ाएं। एक उबाल आने के बाद आंच धीमी कर दें और मध्यम आंच पर पांच मिनट तक उबालें। अगर सांबर गाड़ा है तो उसमें थोड़ा-सा पानी मिलाएं और उबालें। नमक चख लें। धनिया पत्ती से गार्निश करें और सर्व करें।

### आलू कुल्चा

**सामग्री**

■ मैदा: 2 कप ■ चीनी: 1 चम्मच ■ बेकिंग सोडा: 1/4 चम्मच ■ गाढ़ा दही: 1/4 कप ■ तेल: 2 चम्मच ■ गुनगुना पानी: गूंदने के लिए भरावन के लिए ■ उबले आलू: 2 ■ कटी मिर्च: 1 ■ कश्मीरी लाल मिर्च: 1/2 चम्मच ■ गरम मसाला: 1/4 चम्मच ■ अदरक: 1 चम्मच ■ अमचूर: 1/4 चम्मच ■ अजवाइन: 1/4 चम्मच ■ नमक: स्वादानुसार ■ काले तिल: 2 चम्मच ■ हरा धनिया चम्मच ■ बेकिंग पाउडर: 1 चम्मच ■ बटर- 2 चम्मच

**विधि**

मैदा, चीनी, बेकिंग पाउडर, बेकिंग सोडा, नमक और दही को एक बरतन में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। गुनगुने पानी की मदद से मैदा को गूंद लें। गीले सूती कपड़े से ढककर दो घंटे के लिए छोड़ दें। एक बाउल में मैश किया आलू और भरावन की सभी साम्रगी डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। गूंदे हुए मैदे से लोई काटें। उसके बीच में हल्का गड्ढा-सा करें और उसमें थोड़ा-सा आलू वाला मिश्रण डालें। लोई को सील करें। लोई के ऊपर थोड़ा-सा तिल और धनिया पत्ती डालें और हल्के हाथों से लोई को अंडाकार आकार में बेल लें। तवा गर्म करें। कुल्चे में एक ओर से ब्रश की मदद से पानी लगाएं और कुल्चे को गर्म तवे में चिपका दें। एक मिनट बाद तवा को पलट दें और कुल्चे को सीधे आग से सुनहरा होने तक पकाएं। कुल्चे के ऊपर हल्का-सा बटर लगाएं और सर्व करें।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम वाला बन रहा है। शुभांक-1-5-7

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा): कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-3-6-7

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-4-3-6

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-9

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-3-5-6

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। पारिवारिक विवाद टालें। शुभांक-2-6-7

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। बातचीत में संयम बरतें। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-7

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के योग बनेगें। शुभांक-2-4-5

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। शुभांक-5-7-9

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-3-6-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-3-5-6

## काकुरो पहेली - 3942

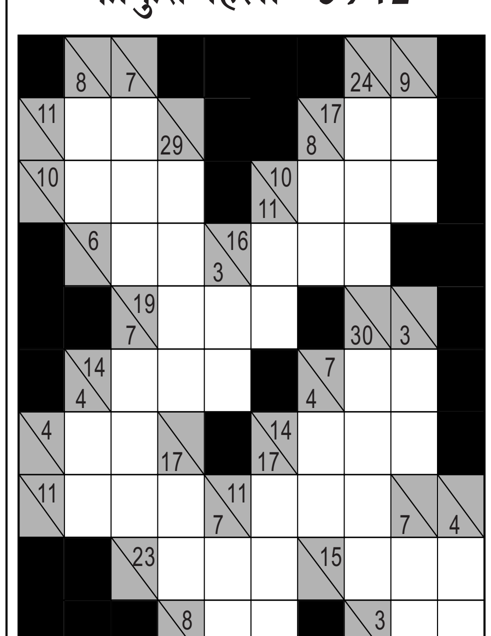

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

**उदाहरणतः**

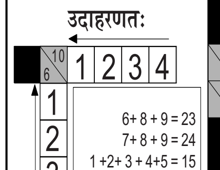

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

### काकुरो - 3941 का हल

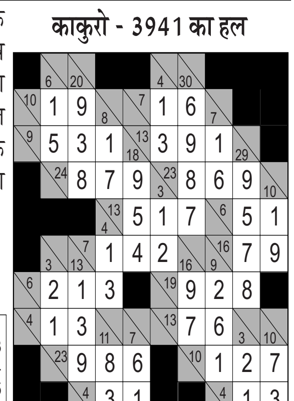

## हंसी के फूव्वारें

'यार, एक बात समझ में नहीं आई, तुमने अपनी फर्म के लिए विकलाँग खजांची का चुनाव क्यों किया?' पहले मित्र ने जानना चाहा.

'ताकि फरार होने पर वह जल्द से जल्द पकड़ा जा सके.' दूसरे मित्र ने कारण बताया.

□ □ □

द्वार पर बहुत देर तक दस्तक पड़ने के कारण पति महोदय की नींद खुली, तो पत्नी को जगाते हुए बोली, 'सुनती हो, बहुत देर से कोई हमारे द्वार पर दस्तक दे रहा है.'

'ओह ! तो तुम घर पर ही हो.' पत्नी उनींदे स्वर में बोली, 'मैं तो यह सोचकर निश्चित थी कि द्वार पर तुम खड़े चिल्ला रहे हो.'

□ □ □

'मेरी घरवाली मेरे सिवा किसी और मर्द की ओर देखना तक पसंद नहीं करती.' पहले दोस्त ने बताया.

'पर यह बात आपको कैसे मालूम हुई ?' दूसरे दोस्त ने जानना चाहा.

'ऐसे कि कल जब मेरी घरवाली का एक परिचित घर आया, तो वह उसे देखती ही बोली, दफा हो जाओ मेरी नजरों से हमेशा के लिए. अब मैं तुम्हारा चेहरा तक देखना पसंद नहीं करती.' पहला मित्र बोला.

## फिल्म वर्ग पहेली- 3942

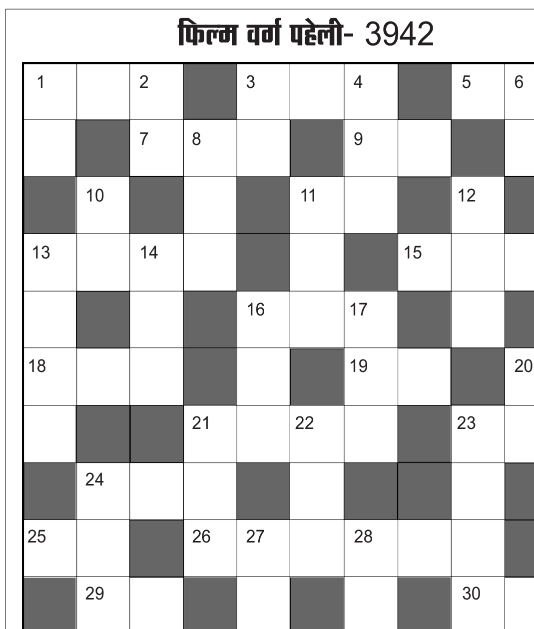

**बायें से दायें:-**

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरूद्दीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

**ऊपर से नीचे:-**

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्फा की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 3941

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| खा | मो | शी | ■ | आ | प | की | क | स | म |
| की | ■ | शा | दी | ■ | ड़ो | ■ | भी | ■ | स्त |
| ■ | आ | ■ | वा | प | स | ■ | ना | ■ | ■ |
| प | ह | चा | न | ■ | न | या | क | द | म |
| रा | ■ | ■ | गी | ता | ■ | ■ | भी | ■ | ड |
| या | रा | ना | ■ | ज | मा | ना | ■ | स | र |
| ध | ■ | य | ति | म | ■ | ■ | रा | नी | ■ |
| न | म | क | ■ | ह | म | रा | ज | ■ | फ |
| ■ | र्या | ■ | ■ | ल | ■ | जे | ■ | ■ | रा |
| अ | दा | ल | त | ■ | इं | द्र | कु | मा | र |

## सूडोकु -3942

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | | 6 | | 3 | | 4 | | 8 |
| | 2 | | | | 9 | | 7 | |
| 4 | | | 1 | 6 | | | | 2 |
| | | 8 | | | 2 | | 3 | |
| 1 | | 4 | | | | 2 | | 5 |
| | 3 | | 5 | | | 8 | | |
| 7 | | | | 9 | 5 | | | 3 |
| | 8 | | 6 | | | | 4 | |
| 6 | | 2 | | 7 | | 5 | | 1 |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु -3941 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 6 | 5 | 1 | 8 | 2 | 7 | 4 | 9 |
| 7 | 9 | 2 | 3 | 5 | 4 | 1 | 8 | 6 |
| 4 | 1 | 8 | 6 | 7 | 9 | 5 | 3 | 2 |
| 6 | 5 | 9 | 2 | 4 | 8 | 3 | 7 | 1 |
| 8 | 4 | 7 | 9 | 3 | 1 | 6 | 2 | 5 |
| 1 | 2 | 3 | 5 | 6 | 7 | 4 | 9 | 8 |
| 2 | 7 | 6 | 4 | 9 | 5 | 8 | 1 | 3 |
| 5 | 8 | 1 | 7 | 2 | 3 | 9 | 6 | 4 |
| 9 | 3 | 4 | 8 | 1 | 6 | 2 | 5 | 7 |

## शब्द पहेली -3942

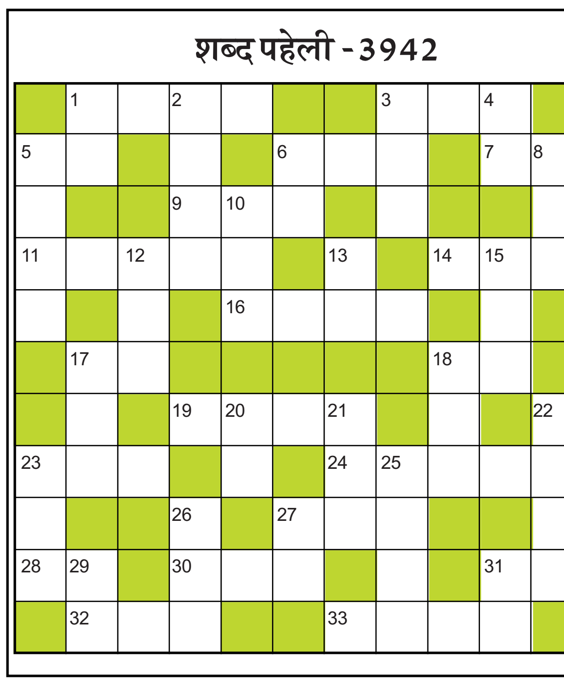

**बाएँ से दाएँ**

1.महीन व कीमती कपड़ा-4
3.गिरवी रखी वस्तु-3
5.चहा,पेय पदार्थ-2
6.ऐयार,गुप्तचर-3
7.संध्या,सांझ-2
9.रसद,किराणा सामग्री-3
11.करामात,करतब-5
14.विक्रय स्थल-3
16.कलाकार-4
17.चाहत,लगन-2
18.सद्,अच्छा-2
19.लंबा कोट-4
23.पानी की बूंद-3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27.लोभ,लालसा-3
28.दौड़ना(अंग्रेजी-2)
30.रेखा,लाइन-3
31.अकुवा,आकड़ा-2
32.अव्यवस्थित भीड़-3
33.अचानक,सहसा-4

**ऊपर से नीचे**

1.शराब-2
2.सम्राट,शहंशाह-4
3.सांभर जैसा खाद्य-3
4.सरुर, मद-2
5.चापलूस-4
6.प्राण, जीवन तत्व-2
8.चिंतन-3
10.भद्र, कुलीन-3
12.अपराध-3
13.पिता का भाई-2
15.यात्री दल-3
17.प्रेम लगन-3
18.भ्रमर,जलावर्त-3
20.चमड़ी,त्वचा-2
21.अनुकृति-3
22.आर्द्रक-4
23.कटि,मध्यांग-3
25.हठ करना, जिद करना,रोना-4
26.साजन,सनम-3
27.थूक,लेस-2
29.भीगा हुआ-2
31.उम्मीद,आशा-2

### शब्द पहेली -3941 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | स | ह | का | रि | ता | ■ | अ | चा | न | क |
| हा | र | ■ | य | ■ | ना | वि | क | ■ | त | र |
| थ | ■ | त | र | जु | मा | ■ | ल | ता | ■ | दा |
| मा | कू | ल | ■ | ■ | र | थ | ■ | क | वि | ता |
| र | ■ | घ | ■ | फ | ना | ■ | खा | ■ | र | ■ |
| ना | म | र | ख | ना | ■ | रा | ज | म | ह | ल |
| ■ | थ | ■ | त | ■ | मो | ह | ■ | ह | ■ | प |
| क | ना | त | ■ | रा | ह | ■ | ■ | क | पा | ल |
| र | ■ | ना | प | ■ | त | म | क | ना | ■ | पा |
| ता | ना | ■ | ली | ड | र | ■ | थ | ■ | का | ना |
| र | च | यि | ता | ■ | मा | ख | न | चो | र | ■ |

## हमेशा आकांक्षा के साथ खड़ा हूं

चर्चित एक्टर और रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के विजेता गौरव खन्ना की पत्नी आकांक्षा चमोला ने लॉकअप सीजन 2 में हिस्सा लिया है। यहां उन्होंने चौंकाने वाला खुलासा किया कि वे और गौरव तलाक ले रहे हैं। आकांक्षा ने यह भी कहा कि वे सालभर से अलग-अलग रहते हैं। पत्नी की तरफ से तलाक की पुष्टि के बाद गौरव खन्ना ने पहली बार इस पर रिएक्शन दिया है।

तलाक की चर्चाओं के बीच गौरव खन्ना 'खतरों के खिलाड़ी' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच एक्टर आज 30 जून को पहली बार 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट पर नजर आए। गौरव 'लाफ्टर शेफ्स' के सेट के बाहर पैपराजी को पोज दिए। जैसे ही उन्होंने कैमरे के सामने पोज दिया तो एक फोटोग्राफर ने उनसे पूछा, 'गौरव भाई, क्या हाल हैं'? गौरव ने मुस्कुराते हुए कहा, 'बस यार, वही ,जो पहले था वही हाल है अभी भी। प्यार अभी भी उतना है, सपोर्ट अभी भी उतना है... मैं तो हमें सपोर्ट करूंगा आकांक्षा को, मेरी बीवी है यार। प्यार किया तो पीछे क्यों हटूं'? इसके बाद फोटोग्राफर ने पूछा, 'भाई लेकिन कंट्रोवर्सी बहुत ज्यादा हो गई है'। इस पर गौरव ने कहा, 'आकांक्षा को जीवन के लिए शुभकामनाएं। मैं हमेंशा उसके साथ खड़ा हूं और उसको सपोर्ट कर रहा हूं। वो अच्छा खेले और जीत कर आए'।

'लॉकअप सीजन 2' में आकांक्षा के तलाक को लेकर पुष्टि किए जाने के बाद पहली बार सोशल मीडिया पोस्ट भी साझा किया है। गौरव ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं। कैप्शन में वे प्यार की हिमायत करते दिखे हैं। गौरव ने लिखा है, 'लव ऑलवेज'। गौरव खन्ना के इस पोस्ट पर उनके फैंस सपोर्ट कर रहे हैं। नेटिजंस लिख रहे हैं, 'हम आपके साथ हैं। आपको खूब सारा प्यार'।

# गौरी के साथ आमिर खान के विवाह पर सोमी अली की प्रतिक्रिया

गौरी स्प्रैट के साथ अभिनेता आमिर खान 5 जुलाई को शादी के बंधन में बंध गये हैं। उनकी इस शादी को लेकर अब अभिनेत्री सोमी अली की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। सोमी अली की ओर से गौरी स्प्रैट और आमिर के लिए एक दिल को छू लेने वाला मैसेज शेयर किया गया। उन्होंने कैप्शन लिखा, 'खुशी चुनने में कभी देर नहीं होती।' उन्होंने आमिर और गौरी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे साथ मिलकर एक खुशहाल और संतोषजनक नया अध्याय शुरू करेंगे। इंस्टाग्राम पर सोमी अली ने उनकी फोटो शेयर करते हुए लिखा, 'गौरी और आमिर के लिए, प्यार किसी कैलेंडर को नहीं मानता। किसी भी उम्र में अपनी जिंदगी साझा करने के लिए साथी मिलना उतना ही खूबसूरत है जितना कि 20 साल की उम्र में मिलना। खुशी चुनने में कभी देर नहीं होती। प्यार के लिए खुला दिल जश्न मनाने की चीज है, आलोचना करने की नहीं। उम्र सालों में मापी जाती है, लेकिन प्यार पलों में मापा जाता है। '

सोमी अली ने आगे लिखा, 'अपना साथी पाने के लिए बधाई। कुछ लोग सही इंसान की तलाश में पूरी जिंदगी बिता देते हैं। अगर

वह सफर किसी भी उम्र में शादी तक ले जाता है, तो वह देर नहीं है। वह बिल्कुल सही समय है। नया अध्याय शुरू करने का साहस प्रेरणादायक है। आप दोनों को जीवन भर खुशी, हंसी और साथ मिले। सबसे अच्छी प्रेम कहानियां इस बात से तय नहीं होतीं कि वे कब शुरू होती हैं, बल्कि इस बात से कि उन्हें कितनी गहराई से जिया जाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'उम्मीद है कि जो लोग आपकी उम्र को लेकर सवाल उठाते हैं, वे एक दिन समझेंगे कि खुशी की कोई समय-सीमा नहीं होती। उम्र बढ़ना तो तय है; साथ में उम्र बढ़ना एक तोहफा है। सबसे बड़ी उपलब्धि कम उम्र में शादी करना नहीं है, बल्कि ऐसा साथी पाना है जिसके साथ बुढ़ापा बिताया जा सके। ये भावनाएं, प्यार, साथ और जीवन के किसी भी पड़ाव पर खुशी पाने की आजादी का जश्न मनाती हैं। '

हाल ही में, 'प्रीतम एंड पेड्रो' की स्क्रीनिंग के दौरान, आमिर ने गौरी के साथ अपने शादी के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह एक निजी समारोह होगा, जिसमें केवल उनके करीबी परिवार के सदस्य और दोस्त शामिल होंगे। आमिर ने बताया था, 'हम 5 तारीख को शादी कर रहे हैं। यह बहुत छोटी शादी है। हम इसे घर पर ही कर रहे हैं। 5 तारीख हमारे लिए बहुत खास दिन है। इसमें सिर्फ दोनों परिवार और कुछ करीबी दोस्त शामिल होंगे।

## पैपराजी कल्चर पर सैफ अली खान ने रखी राय

सैफ अली खान ने भारत में लगातार बढ़ रहे पैपराजी कल्चर पर अपनी राय रखी है। उन्होंने सेलेब्स के हर समय लोगों की नजर में रहने पर चिंता जताई है। एक्टर का मानना है कि रोजाना तस्वीरें खींचे जाने से फिल्मी सितारों से जुड़ा रहस्य खत्म हो जाता है। उन्होंने पर्सनल बाउंड्रीज का सम्मान करने की अहमियत पर भी जोर दिया।

कम हो जाता है

स्टारडम

बरखा दत्त के साथ बातचीत में सैफ ने बताया कि उन्हें एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में तेजी से आम हो रहे पैपराजी कल्चर से ज्यादा लगाव क्यों नहीं है। उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि इससे स्टारडम काफी हद तक कम हो जाता है क्योंकि आप इन लोगों को रोज देखते रहते हैं। फिर स्क्रीन का वो जादू खत्म हो जाता है।'

घर में घुस गए थे पैपराजी

एक्टर ने बताया कि एक बार कथित तौर पर पैपराजी उनके घर के परिसर में घुस आए थे। इस घटना के बारे में बात करते हुए सैफ ने कहा कि स्थिति हद से ज्यादा बढ़ गई थी। इस बात पर जोर दिया कि स्पष्ट सीमाएं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पैपराजी ने 'सीमा पार कर दी थी। हर किसी को अपनी सीमा में रहना चाहिए।'

अलग है पैपराजी कल्चर

उन्होंने आगे कहा 'मेरी जिंदगी उनके बिना भी ठीक थी। फोटोग्राफर और जर्नलिस्ट की भूमिकाएं बिल्कुल अलग होती हैं और उन्हें एक जैसा नहीं माना जाना चाहिए। सैफ ने आगे साफ किया कि भले ही वह पत्रकारिता का सम्मान करते हैं, लेकिन पैपराजी कल्चर पूरी तरह से अलग चीज है। एक्टर के अनुसार, पब्लिक फिगर होने के बावजूद प्राइवेसी बनाए रखना जरूरी है।

## करियर की सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक है सतलुज

करीब 3 साल तक यह फिल्म अलग-अलग कारणों से चर्चा में रही। कभी रिलीज में देरी, कभी नाम बदलने की बात और कभी सेंसर से जुड़ी परेशानियां- इन सबके बीच यह फिल्म अटकी रही। अब आखिरकार यह दर्शकों तक पहुंच गई है। यह सोशल ड्रामा फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा की जिंदगी से प्रेरित है। दिलजीत के लिए यह फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं थी, बल्कि एक ऐसा अनुभव था जिसने उन्हें अंदर तक प्रभावित किया। दिलजीत दोसांझ ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें भावनात्मक रूप से काफी प्रभावित किया। उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह मेरे करियर की सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक है। इस फिल्म ने हम सब से भावनात्मक और शारीरिक रूप से बहुत कुछ ले लिया। लंबे शूटिंग के दिन, कठिन हालात और इंटेंस सीन थे। लेकिन सबसे ज्यादा असर इस कहानी के विषय का पड़ा, जो मेरे साथ लंबे समय तक बना रहा।'

दिलजीत ने आगे बताया कि आमतौर पर वह एक फिल्म खत्म होते ही तुरंत अगली फिल्म में लग जाते हैं और ब्रेक लेना पसंद नहीं करते। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो पाया। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर मैं फिल्म खत्म होते ही आगे बढ़ जाता हूं, लेकिन इस फिल्म के बाद मुझे एक हफ्ते का ब्रेक लेना पड़ा। जसवंत सिंह खालरा का किरदार निभाने के दौरान जो कुछ मैंने महसूस किया, उसे समझने और उससे बाहर निकलने में समय लगा। वो सीन, वो इमोशंस मेरे साथ बने रहे, इसलिए थोड़ा वक्त लेना जरूरी था।'

## फिल्ममेकर्स को महिला सुपरस्टार बनाने के लिए ज्यादा इन्वेस्ट करने की जरूरत है

सामंथा रुथ प्रभु अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' की कामयाबी से खुश हैं। उन्होंने लंबे वक्त के बाद इस फिल्म में वापसी की है। फिल्म को अच्छे रिव्यू मिले और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, बहुत कम महिला-प्रधान फिल्मों को ऐसी कमर्शियल सफलता मिलती है। हाल ही में सामंथा ने कहा कि फिल्ममेकर्स को महिला सुपरस्टार बनाने के लिए ज्यादा इन्वेस्ट करने की जरूरत है।

### पुरुष कलाकारों पर होती है मेहनत

बातचीत में जब सामंथा से पूछा गया कि क्या महिला स्टार्स को ज्यादा फीस के लिए संघर्ष करना पड़ता है? इस पर सामंथा ने कहा 'यह एक बार में एक कदम उठाने जैसा है। मैंने हमेशा यही कहा है, पुरुष सुपरस्टार एक दिन में नहीं बनते। बड़े-से-बड़े पुरुष सुपरस्टार बनाने में समय और मेहनत लगी है। हर फिल्म के साथ, हर डायरेक्टर ने उन्हें भगवान जैसा दर्जा दिलाने के लिए कड़ी मेहनत की है। इसमें समय लगा है।' उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि महिला स्टार्स को उतनी मेहनत और समय नहीं दिया जाता। अगर डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स किसी एक्ट्रेस को सुपरस्टार बनाने में उतनी ही मेहनत करें, तो यह मुमकिन हो जाएगा। हमें बस उस समय और इन्वेस्टमेंट की जरूरत है।'

# बिना सोचे-समझे कुछ नहीं कहता

**अली फजल को इंडिया में भले दर्शक 'मिर्जापुर' के गुड्डू भैया के रूप में जानते हों, मगर अली ने हॉलीवुड में भी अच्छा-खासा काम किया है। इन दिनों वेब सीरीज 'राख' में अपनी भूमिका के लिए तारीफ बटोरने वाले अली जल्द ही कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में दिखेंगे। आमिर खान की 'बंटवारा 1947' के अलावा वह फिल्म 'मिर्जापुर' और 'लस्ट स्टोरीज' में भी नजर आएंगे।**

### 'बंटवारा 1947' में बड़ा रोल नहीं, पर अहम

'बंटवारा 1947' में अपने रोल पर अली फजल कहते हैं, ' 'बंटवारा' में मेरा बहुत बड़ा रोल नहीं है, लेकिन मेरे लिए किरदार के आकार से ज्यादा अहमियत उस टीम और कहानी की होती है, जिसका मैं हिस्सा बनता हूं। सनी देओल जैसे दिग्गज कलाकारों और शानदार टीम के साथ काम करना अपने आप में बड़ा अनुभव है। आमिर खान सर इसे बना रहे हैं और मुझे इसके रिलीज होने का बेसब्री से इंतज़ार है। सच तो ये है कि मैं खुद को किसी एक तरह के किरदार तक सीमित नहीं रखना चाहता। फिल्म मिर्जापुर में चिरपरिचित चेहरों के साथ एक सिनेमैटिक अनुभव मिलेगा।'

आज से तकरीबन दो साल पहले अली और रिचा ने जुनेरा नाम प्यारी बेटी को जन्म दिया। अली खुद को खुशकिस्मत मानते हैं, बेटी को पाकर। वह कहते हैं, 'बेटी को पाकर नसीब वाला महसूस करता हूं । बस रोज, दुआ करता हूं कि एक पैरेंट के रूप में बेटी का ध्यान रख पाऊं, उसकी जरूरतें पूरी कर पाऊं। मुझमें जमीन-आसमान का बदलाव आया है। लोग जब पूछते हैं कि एक पिता के रूप में क्या देना चाहेंगे? तो मैं मुझे लगता है कि ये तो इतिहास की सबसे पुरानी चीज है। हम बच्चों को क्या दे सकते हैं? जो भी देना है, वो तो हमारा फर्ज है। हम हजारों सालों से ये करते आए हैं। मुझे लगता है कि हमें बात का बतंगड़ नहीं बनाना चाहिए। हमें काम करना चाहिए, बच्चे पालने चाहिए, उन्हें एजुकेट करना जरूरी है। बाकी तो दुनिया चल ही रही है।'

### जरूरी नहीं हर समय हर मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया जाए

अली ने आगे कहा, 'हालांकि, एक अभिनेता के तौर पर हमारी जिम्मेदारी जरूर बनती है, क्योंकि हम भी समाज का हिस्सा हैं। हम समाज को देखते हैं, उससे सीखते हैं और फिर उसी का एक रूप अपने सिनेमा और कहानियों के माध्यम से दर्शकों के सामने रखते हैं। लेकिन यह भी जरूरी नहीं है कि हर समय और हर मुद्दे पर सार्वजनिक बयान दिया जाए। पहले सोशल मीडिया नहीं था, इसलिए लोगों से ऐसी अपेक्षाएं भी कम थीं। आज सोशल मीडिया के दौर में अक्सर यह उम्मीद की जाती है कि हर विषय पर कलाकार अपनी राय रखें। इसमें कुछ गलत नहीं है, लेकिन मेरा मानना है कि आखिरकार हर व्यक्ति का अपना तरीका होता है। मेरे लिए मेरा काम ही मेरी सबसे बड़ी अभिव्यक्ति है।'

सभी जानते हैं कि अली फजल की पत्नी रिचा चड्ढा मुद्दों पर अपनी बेबाक राय रखने में कभी पीछे नहीं रही हैं, मगर अली उनकी तरह मुखर नहीं हैं। इस पर वह कहते हैं, 'मेरा मानना है कि इंसान चाहे तो कुछ भी बन सकता है, और अगर मैं चाहूं तो हर मुद्दे पर बोलना भी शुरू कर सकता हूं। लेकिन मुझे लगता है कि मैं अपने काम के जरिए ज्यादा प्रभावी ढंग से अपनी बात कह पाता हूं। शायद मैं अभी उस मुकाम पर नहीं हूं कि बिना पूरी जानकारी और समझ के किसी भी विषय पर खुलकर टिप्पणी करूं।

### इंसानी स्वभाव को समझने की कोशिश

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय रूप से कई तरह का काम करने के बाद अली एक इंसान और एकत्र के रूप में बदलाव महसूस करते हैं। वह कहते हैं, 'मेरे लिए हर किरदार इंसानी स्वभाव को बेहतर ढंग से समझने का एक अवसर होता है। मैं हमेशा यह जानने की कोशिश करता हूं कि क्या मैं एक आम इंसान के मन और उसकी परिस्थितियों के भीतर उतर सकता हूं। जब आप ऐसा करते हैं, तो अहसास होता है कि हर कहानी के पीछे एक सच्चा इंसान है, जिसकी अपनी जद्दोजहद और कई परतें हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।